देशबन्धु

वर्ष –11 । अंक–61 । सागर, सोमवार 20 अप्रैल 2026 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

शादी की तैयारियों के बीच घर में आग लगने से छत पर रखे 3 सौ सिंचाई पाइप जले — पृष्ठ 2

▸ राहुल ने मोदी का जादू खत्म किया
▸ हंसा मेहता ने महिलाओं को 'मानव' का दर्जा दिलाया — पृष्ठ 4

▸ धूमधाम से मना परशुराम प्राकट्य महोत्सव, नगर में गूंजे वैदिक मंत्र — पृष्ठ 6

केवल पौधारोपण पर्याप्त नहीं, उनका संरक्षण भी आवश्यक : मंत्री पटेल — पृष्ठ 7

सार-समाचार

पर्यावरण योद्धा अनुराधा सिंह का निधन

भोपाल, देशबन्धु। विख्यात सर्वोदय नेता, विचारक और चिंतक आचार्य राममूर्ति की पुत्री, पर्यावरण शिक्षण और सजीव खेती से जुड़ी अनुराधा सिंह का आज सुबह 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से सर्वोदय आंदोलन और सामाजिक-पर्यावरणीय संघर्षों से जुड़ी एक महत्वपूर्ण कड़ी टूट गई है। पिछले लगभग डेढ़ दशक से वे भोपाल में अपने पुत्र अमन के साथ रह रही थीं, जहां भी उनका जुड़ाव सामाजिक और वैचारिक गतिविधियों से बना रहा। उनकी उपस्थिति से जेपी आंदोलन के दौर से लेकर 1990 के दशक तक के रचनात्मक और जनआंदोलनों की स्मृतियां जीवंत हो उठती थीं। जल, जंगल और बड़े बांधों के विरोध में चलने वाले आंदोलनों में उनकी सक्रियता और संवेदनशील भागीदारी रही।

उनका जीवन उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता था जिसने विकास, पर्यावरण और समाज के सवालों को गहराई से समझते हुए जनपक्षधर दृष्टि के साथ काम किया। सर्वोदय, पर्यावरण और सजीव खेती के क्षेत्र में चर्चित रहे श्यामबहादुर नम्र की वे सहधर्मिणी थीं। परिवार में सामाजिक और बौद्धिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उनके पुत्र अनुराग सिंह डाक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण से जुड़े हैं, जबकि अमन नम्र पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। श्रम निकेतन संस्थान, जमुड़ी (अनूपपुर) की स्थापना जब स्वर्गीय श्यामबहादुर नम्र ने दशकों पहले की थी, तब वहाँ घने जंगलों के अलावा कुछ भी नहीं था। ऐसी जगह, जहां न सड़क थी, न बिजली, न पानी और न ही चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं। ऐसे में वह दो छोटे बच्चों के साथ वहां जाकर बसे थे। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा और मानक के रूप में याद किया जाएगा।

तमिलनाडु : पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 21 की मौत

- दक्षिणी जिले विरुधुनगर में हुए हादसे में कई लोग मलबे में दबे
- आसपास की बिल्डिंग में भी दरारें आईं
- 4 कमरे पूरी तरह जमींदोज हो गए

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के दक्षिणी जिले विरुधुनगर के कट्टानरपट्टी गांव में रविवार शाम एक लाइसेंस प्राप्त पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट में 21 श्रमिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में महिलाएं भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों को मिलाने के समय हुई गड़बड़ी के कारण यह धमाका हुआ। विस्फोट इतना जोरदार था कि कारखाने के वे चार कमरे पूरी तरह जमींदोज हो गए। आस पास की बिल्डिंग में भी दरारें आ गई। घटना के समय वहां लगभग 30 श्रमिक काम कर रहे थे और अधिकांश शव इतनी बुरी तरह जल गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया है। यह विस्फोट मुथुमानिकम के स्वामित्व वाली 'वनजा पटाखा निर्माण इकाई' में हुआ। इस इकाई के पास पटाखा निर्माण का वैध लाइसेंस भी था। लेकिन रविवार को आधिकारिक अवकाश होने के बावजूद फैक्ट्री में काम चल रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने संवेदाना व्यक्त की

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस हादसे पर दुख जताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी के हवाले से प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिखा, 'तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में हुई दुर्घटना बेहद दुखद है। मैं उन लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। ईश्वर करे कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।'

मुख्यमंत्री स्टालिन ने गहरा दुख जताया

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने इस घटना पर गहरा दुख और शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। उन्होंने राहत कार्यों को अंजाम देने के निर्देश दिए और मंत्री थंगम थेनारासु और के.के.एस.एस.आर. रामचंद्रन को तुरंत घटनास्थल पर पहुँचकर बचाव और राहत कार्यों में तेजी लाने का आदेश दिया।

वेदांता पावर प्लांट विस्फोट में मृतकों की संख्या 24 हुई

रायपुर/सक्ति, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के शक्ति जिले के सिंघीतराई गांव स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर विस्फोट में घायल झारखंड के एक और मजदूर की रविवार को रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में मृत्यु हो गई। उनकी पहचान मनीष कुमार के रूप में हुई है। 14 अप्रैल को हुई इस दुखद घटना के बाद मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 24 हो गई है। विस्फोट में कुल 36 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे। सूत्रों के अनुसार, शेष तीन घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि सभी घायल श्रमिकों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है और मृतकों के परिवारों को सहायता प्रदान की जा रही है। लगभग 12 घायल श्रमिकों का इलाज चल रहा है।

ट्रंप ने ईरान को फिर दी धमकी

समझौता नहीं किया तो तबाही तय

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को फिर धमकाया है। सीजफायर उल्लंघन का आरोप ईरान पर लगाते हुए कहा है कि अगर डील नहीं की तो देश का हरेक पावर प्लांट और ब्रिज तबाह कर दिया जाएगा। ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर धमकी दी। उन्होंने ईरान पर संघर्ष विराम उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा कि ईरान में शनिवार को गोली बरसा उन्होंने सीजफायर एग्रीमेंट को पूरी तरह से नकारा है। दावा किया कि उनमें से कई गोलियां एक फ्रेंच शिप और यूनाइटेड किंगडम के एक मालवाहक जहाज पर निशाना साधकर चलाई गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके साथ ही इस्लामाबाद में बातचीत की पुष्टि की। कहा कि उनके

इस्लामाबाद में बातचीत की पुष्टि की

प्रतिनिधि सोमवार शाम को पाकिस्तान जाएंगे।

इसके साथ ही ट्रंप ने होर्मुज बंद करने के आईआरजीसी के दावे की भी खिल्ली उड़ाई। उनके अनुसार, ईरान की ये बात अजीब है क्योंकि अमेरिकी नाकेबंदी के चलते पहले ही स्ट्रेट बंद है और ऐसा करके वो अमेरिका की ही मदद कर रहे हैं। उन्हें (ईरान) ही इस मद में रोज 500 मिलियन डॉलर का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ट्रंप ने डील और डील पर सहमति न बनने की सूरत में ईरान को बर्बाद कर देने वाली बात कही। उन्होंने कहा, 'हम एक बहुत ही सही और वाजिब डील दे रहे हैं, और मुझे उम्मीद है कि वे इसे मानेंगे क्योंकि, अगर वे नहीं मानते हैं, तो यूनाइटेड स्टेट्स ईरान में हर एक पावर प्लांट और हर एक ब्रिज को उड़ा देगा।

उ. कोरिया ने समुंद्र की ओर दागीं कई बैलिस्टिक मिसाइलें

टोक्यो, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संकट के बीच उत्तर कोरिया ने रविवार को समुद्र की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी। ये मिसाइलें रविवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी सिनपो इलाके से दागी गईं। इसके बाद जापान और दक्षिण कोरिया अलर्ट मोड में आ गए। उत्तर कोरिया ने एक महीने में चौथी बार बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किया है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया मिसाइल लॉन्च से संबंधित जानकारी साझा कर विश्लेषण कर रहे हैं और हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा-

कांग्रेस ने विधयेक का नहीं महिलाओं को अधिकार देने का विरोध किया

- भाजपा आज आक्रोश दिवस मनाएगी
- विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर अधिनियम पर होगी चर्चा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आधी आबादी को देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम लेकर आए। कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा विरोध कर संसद में इस अधिनियम को गिराना महिलाओं के अधिकारों के चीरहरण जैसा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांग्रेस व विपक्षी दलों ने रविवार को मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस ने एक विधेयक का नहीं महिलाओं को सशक्त बनाने और अधिकार देने का विरोध किया है। डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश के विधानसभा का एक दिवसीय सत्र बुलाया जाएगा, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा होगी। प्रदेश के सभी नगर पालिका, नगर पंचायतों और नगर निगमों में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए प्रस्ताव पारित कराए जाएंगे। भाजपा विपक्ष के रवैये के विरोध में सोमवार को आक्रोश दिवस मनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का जिस प्रकार विरोध किया गया, उसे पूरे देश ने देखा है। यह सिर्फ एक साधारण विधेयक नहीं था, बल्कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उनके अधिकार दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास था। उन्होंने कहा कि विरोधी दलों के इस रवैये ने देश की महिलाओं की आकांक्षाओं और सपनों को आहत करने का काम किया है। डॉ. यादव ने कहा कि सदन में विरोधी दलों द्वारा 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम के खिलाफ अपनाई गई रणनीति यह दर्शाती है कि वे हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। विशेष रूप से कांग्रेस और डीएमके का रवैया 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम पर अत्यंत चिंताजनक रहा है। देश की जनता ने इस पूरे घटनाक्रम को देखा है और समय आने पर जनता ही इसका उचित जवाब देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि अधिनियम को लेकर विपक्षी दलों असयोगपूर्ण रवैये के कारण भाजपा सोमवार को देशभर में आक्रोश दिवस मनाएगी। कल सोमवार 20 अप्रैल को भोपाल स्थित एमवीएम मैदान में आक्रोश रैली आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि भाजपा प्रदेश के अन्य जिलों, संभागों में आक्रोश रैली व पदयात्राएं निकालकर जनता तक अपनी बात पहुंचाएगी। पत्रकार वार्ता में मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, प्रदेश शासन की राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक श्रीमती अर्चना चिटनीस, सांसद श्रीमती माया नारोलिया, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल मंचासीन रहे।

मध्यप्रदेश नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में उदाहरण बनकर उभरा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जहां 17 जिलों में महिला अधिकारी कलेक्टर, 10 जिलों से अधिक ऐसे जिले हैं, जहां कलेक्टर और एसपी दोनों ही जिम्मेदार पदों पर महिलाएं कार्यरत हैं। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं बल्कि हमारी सोच नीति और प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि हम महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में अपनी भूमिका देने के लिए कृत संकल्पित हैं।

कांग्रेस की महिला विरोधी मानसिकता उजागर : खण्डेलवाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि महिला आरक्षण के विरोध से कांगेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की महिला विरोधी मानसिकता उजागर हो गई है। 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम के विरोध से विपक्ष का असली चेहरा जनता के सामने आ गया है। खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी दल हमेशा से महिलाओं को अधिकार देने के पक्ष में नहीं थे। 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम को लेकर लोकसभा में जो घटनाक्रम हुआ वह सिर्फ एक संसदीय परंपरा नहीं बल्कि देश की आधी आबादी से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय था। उन्होंने कहा इस विधेयक का लोकसभा में पारित न हो पाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

विपक्ष को आधी आबादी कभी माफ नहीं करेगी : रेखा वर्मा

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा वर्मा ने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध करने वाली कांग्रेस पार्टी व विपक्षी दलों को देश की आधी आबादी कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने पूर्व में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम को इसलिए समर्थन किया था कि वर्ष 2024 में लोकसभा के चुनाव होने थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके व अन्य विपक्षी दलों ने जिस प्रकार से लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध किया है, उससे स्पष्ट हो गया है कि विपक्ष पहले ही मन बना चुका था कि महिलाओं को अधिकार न मिलने पाए।

परशुराम प्राकट्योत्सव पर निकली विशाल वाहन रैली

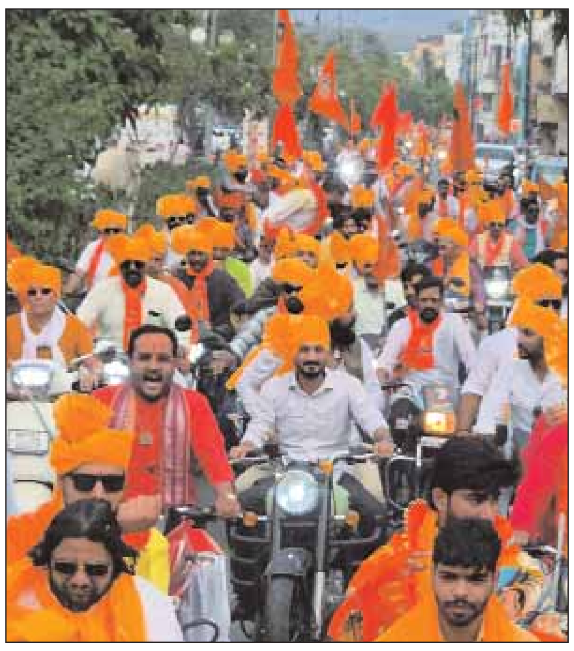

राष्ट्रभक्ति और गौरक्षा के संदेश के साथ ब्राह्मण समाज का आयोजन

सागर, देशबन्धु। भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव की पूर्व संध्या पर ब्राह्मण समाज द्वारा नगर में भव्य वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली में परशुराम जी के जयघोष के साथ राष्ट्रभक्ति एवं गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने का संदेश दिया गया। लगभग 2 किलोमीटर लंबी इस रैली में बड़ी संख्या में दोपहिया और चार पहिया वाहन शामिल रहे।

युवा सर्व ब्राह्मण समाज बुंदेलखंड के अध्यक्ष पं. भरत तिवारी ने बताया कि दोपहर 3 बजे से ही वाहनों की कतार लगनी शुरू हो गई थी। आयोजन समिति द्वारा विप्रजनों को पगड़ी बांधकर, दुपट्टा पहनाकर और तिलक लगाकर स्वागत किया गया। रैली में महिलाओं ने लाल पगड़ी और लाल साड़ी पहनकर उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। रैली मे सबसे आगे डीजे, उसके पीछे महिलाओं के वाहन, फिर वरिष्ठजनों के वाहन और अंत में युवाओं के दोपहिया वाहन शामिल रहे। एसवीएन विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति डॉ. अनिल तिवारी ने बताया कि रैली को पं. विपिन बिहारी, पं. बृजेश, महापौर संगीता तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी सहित कई गणमान्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली सिविल लाइन से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुये ठाकुर देवालय सदर में संपन्न हुई। रैली का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया, जहां सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने आतिशबाजी, पुष्पवर्षा एवं जलपान की व्यवस्था कर उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

समापन स्थल ठाकुर देवालय में गोपाल कटारे, संजय बाजपेई सहित अन्य श्रद्धालुओं द्वारा भगवान परशुराम की महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विप्रजन, महिलायें एवं युवा उपस्थित रहे। पुरोहित पुजारी विद्वत संघ के अध्यक्ष पं. शिवप्रसाद तिवारी ने जानकारी दी कि आज सोमवार सुबह 9 बजे तिली रोड स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में पूजन, अभिषेक एवं हवन का आयोजन किया जायेगा। वहीं शाम 5 बजे रामबाग मंदिर, बड़ा बाजार से भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी।

शादी की तैयारियों के बीच घर में आग लगने से छत पर रखे 3 सौ सिंचाई पाइप जले

बीना, देशबन्धु। खिमलासा थाना क्षेत्र के माला सुनेटी गांव में शादी की तैयारियों के बीच एक घर में आग लग गई। इस घटना में सिंचाई के लगभग 300 पाइप जलकर खाक हो गये। यह आग सित्तू सिंह और जोधन दांगी के घर में लगी, जहां उनके बड़े बेटे के विवाह की तैयारियां चल रही थी। जानकारी के अनुसार सित्तू सिंह के बड़े बेटे का विवाह 21 अप्रैल को होना है। रविवार को खिमलासा के एक गार्डन में प्रीतिभोज का आयोजन किया जाना था, जिसके लिये घर पर तैयारियां चल रही थी। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। सित्तू सिंह ने बताया कि अज्ञात कारणों से उनके मकान में आग लग गई। आग इतनी फैल गई थी कि घर की छत पर रखे सिंचाई के लगभग 300 पाइप पूरी तरह जल गये। उन्होंने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर में आग लगाई है। सित्तू सिंह ने यह भी बताया कि यह उनके घर में आग लगने की दूसरी घटना है। इससे पहले उनके पिताजी की तेरहवीं के समय भी अज्ञात व्यक्ति ने आग लगाई थी, जिसमें काफी नुकसान हुआ था। सूचना मिलते ही डायल 112 के पायलट और आरक्षक मलखान पाल तत्काल मौके पर पहुंचे। हालांकि उनके पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया था। ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड के देरी से पहुंचने पर नाराजगी व्यक्त की।

संजीवनी क्लीनिकों के वॉटर प्यूरीफायर बिगड़े, गर्मी में लोग बेहाल

सागर, देशबन्धु। मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिको को बने हुये अभी 3 साल भी पूरे नहीं हुये हैं और उन में इंस्टॉल किये गये समान बिगड़ने लगे हैं गन्दे और मैले पेयजल की सप्लाई के कारण यहां के वाटर फिल्टर प्यूरीफायर बिगड़ने लगे हैं लगभग अधिकांश मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों वाटर फिल्टर बंद और बिगड़े पड़े हैं इनमें ठंडे और शुद्ध पेयजल यहां के कर्मचारियो और यहां आने वाले मरीजो के साथ ही जरूरतमंद राहगीरों को गर्मी के इस मौसम में शुद्ध और ठंडा पेयजल भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है इनका इंस्टॉलेशन सीएमएचओ ऑफिस द्वारा सभी जगह कराया गया था, इनकी गारंटी वारंटी और शिकायत आदि की सभी जानकारी सीएमएचओ के पास ही है, किंतु कई बार पत्राचार के बाद भी इन्हें सुधारा नहीं जा रहा है।

ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को रौंदा, एक की मौत दूसरा गंभीर घायल

बीना, देशबन्धु। खुरई रोड पर घटियारी गांव के पास देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। शराब से भरे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बाइक सवार दो अज्ञात युवक बीना से खुरई की ओर जा रहे थे। इसी दौरान खुरई से बीना की तरफआ रहे ट्रक क्र. 16 जीए 1117 के चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुये बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार एक युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही बीना पुलिस मौके पर पहुंची। समाजसेवी हन्नू राजपूत भी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायल युवक को तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक के शव को मर्चुरी में रखवा दिया गया है। घायल युवक बोलने की स्थिति में नहीं है, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी है। गंभीर हालत को देखते हुये घायल को सागर रेफर कर दिया गया है। हन्नू राजपूत ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक ट्रक में फंस गई और ट्रक अनियंत्रित होकर प्रतीक्षालय में जा घुसा। जिससे प्रतीक्षालय पूरा क्षतिग्रस्त हो गया और बाइक के परखच्चे उड़ गये।

आईएमए सागर के सम्मेलन में 'स्वास्थ्य नारी, सशक्त परिवार' रहा मद्दा

सागर, देशबन्धु। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सागर शाखा ने महिला सशक्तिकरण और महिला स्वास्थ्य पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन 18 और 19 अप्रैल को सागर में आयोजित हुआ। उद्घाटन समारोह में विशेष अतिथि महापौर संगीता तिवारी ने कहा कि एक समय बेटियों के अस्तित्व पर संकट था, लेकिन अब देश बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से आगे बढ़कर बेटी बढ़ाओ के युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने बताया कि सरकार की हर योजना के केंद्र में महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सशक्तिकरण है। विशेष अतिथि अनुश्री शैलेन्द्र जैन ने कहा कि केंद्र सरकार ने महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योजनायें चलाई हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना और सुरक्षित मातृत्व आश्वासन जैसी योजनाओं से मातृ स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। उन्होंने स्वास्थ्य नारी, सशक्त परिवार अभियान का जिक्र करते हुये बताया कि 13 लाख विवाहित महिलाओं का स्वास्थ्य सर्वेक्षण शुरू किया गया है, क्योंकि देश में 49 प्रतिशत महिलायें एनीमिया और 64 प्रतिशत कुपोषण से प्रभावित हैं। विशेष अतिथि बीएमसी डीन डॉ. पीएस ठाकुर ने कहा कि भारत की प्रगति और विकास में नारी शक्ति हमेशा से केंद्र में रही है। आज भारतीय नारी ने विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बना ली है। आईएमए सागर के अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद ने बताया कि सम्मेलन के दूसरे दिन निष्कर्ष सत्र में महिला स्वास्थ्य नीतियों को और मजबूत बनाने संबंधी कई सिफारिशें तैयार की गई। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में प्राप्त निष्कर्षों और सुझावों को क्षेत्रीय स्तर पर लागू करके महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को नई दिशा और गति मिलेगी। महिला स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने से मातृ मृत्यु दर में कमी आयेगी, बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा और सामाजिक आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। यह सम्मेलन आईएमए की सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न चिकित्सा संस्थानों ने आईएमए सागर शाखा के इस प्रयास की सराहना की है।

निगमायुक्त ने पद्मश्री भगवान दास रैकवार के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की

सागर, देशबन्धु। शस्त्र कला बुंदेली मार्शल आर्ट के संरक्षक एवं पद्मश्री सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ समाजसेवी भगवान दास रैकवार के निधन पर निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने गहरा शोक व्यक्त करते हुये रामपुरा वार्ड स्थित उनके निज निवास पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किये तथा परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की। निगमायुक्त ने कहा कि भगवान दास रैकवार ने बुंदेली शस्त्र कला एवं पारंपरिक मार्शल आर्ट को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपनी साधना, अनुशासन और समर्पण से क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान प्रदान की। उनके निधन से सागर सहित समूचे प्रदेश ने एक प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व को खो दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान दास रैकवार का जीवन युवाओं के लिये प्रेरणा का स्रोत रहेगा। भारतीय परंपराओं, लोक संस्कृति और युद्धकला के संरक्षण में उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि पराग जैन, उपायुक्त एसएस बघेल, प्रभारी कार्यपालन यंत्री संजय तिवारी, अनुरुद्ध चाचोंदिया सहित नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

गेहूं स्लॉट, बारदाने की कमी पर किसानों ने मुख्यमंत्री के पुतले की आंखों पर पट्टी बांध कर किया प्रदर्शन

बीना, देशबन्धु। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पुतले की आंखों पर पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन गेहूं के स्लॉट बुक न होने, समर्थन मूल्य खरीदी केंद्रों पर बारदानों की कमी और गिरदावरी सत्यापन में आ रही समस्याओं के विरोध में किया गया। सर्वोदय चौराहा पर प्रदर्शन के दौरान किसानों और पुलिस के बीच मुख्यमंत्री का पुतला छीनने को लेकर झूमाझटकी भी हुई। पुलिस ने पुतले को छीन लिया क्योंकि उन्हें आशंका थी कि किसान उसका दहन कर सकते हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सीताराम ठाकुर ने बताया कि गेहूं के स्लॉट बुक नहीं हो पा रहे हैं, जिससे किसान कई दिनों से परेशान हैं। साथ ही समर्थन मूल्य खरीदी केंद्रों पर बारदाने बोरे खत्म हो गये हैं, जिसके कारण किसानों की उपज की तुलाई रुक गई है। किसान अपनी फसल लेकर केंद्रों पर पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। ठाकुर ने यह भी बताया कि पटवारी द्वारा की गई गिरदावरी को सैटेलाइट ने असत्यापित कर दिया है, जिससे किसानों की समस्यायें और बढ़ गई हैं। पुलिस ने संभावित पुतला दहन को रोकने के लिये पहले से ही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड को मौके पर तैनात कर दिया था। इस दौरान एसडीओपी अजय सनकत, थाना प्रभारी अनूप यादव सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद था। किसान मोर्चा के संभागीय अध्यक्ष सीताराम ठाकुर के साथ प्रतिपल ठाकुर, राजा ठाकुर, अवधेश पटेल, संजय पटेल, राघवेंद्र ठाकुर सहित कई अन्य किसान प्रदर्शन में शामिल रहे।

दादी की अंत्येष्टि में जा रहे परिवार के साथ हादसा

खुरई, देशबन्धु। जरवांस बायपास चौराहे पर रविवार शाम करीब 6.30 बजे एक लोडिंग वाहन को ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दादी की अंत्येष्टि में जा रहे एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गये, जिनमें से दो को गंभीर हालत में सागर रेफर किया गया है। यह दुर्घटना खुरई शहरी थाना क्षेत्र के जरवांस बायपास चौराहे पर हुई। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घायलों में रमगढ़ा निवासी देवेंद्र पिता जगदीश आदिवासी 25, ललितपुर, उत्तर प्रदेश के रमगढ़ा निवासी जगदीश पिता बाबू आदिवासी 35, झिला निवासी सोहन पिता महेंद्र आदिवासी 9 और रमगढ़ा निवासी सखी पति जगदीश आदिवासी 45 शामिल हैं। घायल चंद्रभान आदिवासी ने बताया कि वे सभी झिला से रमगढ़ा अपनी दादी की अंत्येष्टि के लिये किराये के लोडिंग वाहन से जा रहे थे। बच्चे को शौच कराने के लिये उन्होंने वाहन को जरवांस बायपास चौराहे के किनारे रोका था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के ईएमटी वीर सिंह और पायलट विनोद राय मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को सिविल अस्पताल खुरई में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद देवेंद्र आदिवासी और सखी आदिवासी की गंभीर हालत को देखते हुये उन्हें सागर रेफर कर दिया गया।

भगवान परशुराम प्रकटोत्सव की पूर्व संध्या पर निकाली वाहन रैली का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

सागर, देशबन्धु। भगवान परशुराम प्रकटोत्सव की पूर्व संध्या पर युवा सर्व ब्राह्मण समाज सागर द्वारा निकाली गई विशाल वाहन रैली का कांग्रेसजनों ने पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी की अगवाई में स्थानीय सदर कबूला पुल के समीप पुष्पवर्षा कर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी ने वाहन रैली में शामिल धर्मावलंबियों व जिलें वासियों को भगवान परशुराम जी के प्राकट्योत्सव की शुभकामनायें देते हुये कहा कि भगवान परशुराम जी त्याग, तप एवं धर्म रक्षा के प्रतीक हैं। उनका जीवन समाज को सत्य एवं न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त बनाने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर पं. रवि उमाहिया, संदीप चौधरी, विजय साहू, गुरमीत सिंह इल्ले, मुन्ना विश्वकर्मा, कुंदन जाट, धर्मेन्द्र तोमर, पवन कुमार यादव, सौरभ चौकसे, अबरार सौदागर, रिक्की गुप्ता, आमिर खान, सत्यभान सेन, पवन राय, शान पठान, आमिर खान, लाल सिंह आदि कांग्रेसजन मौजूद थे।

30 मई तक पूरा करें विस्थापन, मूलभूत सुविधायें सुनिश्चित हो: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। बंडा उल्दन सिंचाई परियोजना को लेकर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुये कहा कि परियोजना से प्रभावित सभी ग्रामवासियों का विस्थापन 30 मई तक हर हाल में पूर्ण किया जाये। साथ ही पुनर्वास स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और शेष भू.अर्जन की कार्यवाही शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिये। बैठक में परियोजना के ईई अनिरुद्ध आनंद ने बताया कि बंडा, बांदरी एवं सागर तहसीलों में कुल 2068 अवार्डियों को लगभग 198.27 करोड़ रुपये मुआवजा एवं अनुदान के रूप में भुगतान किया जाना शेष है। इस पर कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे 10 दिवस के भीतर भुगतान प्रस्ताव तैयार कर भू.अर्जन शाखा को भेजना सुनिश्चित करें तथा अद्यतन राजस्व अभिलेखों के साथ प्रमाण पत्र भी संलग्न करें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिन प्रकरणों में वर्तमान खसरे में दर्ज रकवा अधिक पाया गया है, उनकी वैधानिक जांच कर भू.अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 33 के तहत आवश्यक संशोधन की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाये। उन्होंने बंडा, मालथौन और बांदरी के लंबित प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिये। पुनर्वास स्थल ग्राम पनारी में पेयजल की समस्या को गंभीरता से लेते हुये निर्देश दिये कि आवश्यकतानुसार निजी ट्यूबवेल एवं कुओं का अधिग्रहण कर विस्थापितों को पेयजल उपलब्ध कराया जाये। साथ ही आगामी वर्षा ऋतु में संभावित मार्ग अवरोध को देखते हुये गढ़पहरा-धामोनी एवं बंडा-बांदरी मार्गों पर डायवर्जन के संकेतक लगाने और सार्वजनिक सूचना जारी करने के निर्देश भी दिये। विद्युत कनेक्शन की समस्या के समाधान हेतु कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिन लोगों के पूर्व में कनेक्शन थे, उन्हें स्थानांतरित किया जाये। इसके लिये बंडा, बांदरी और मालथौन क्षेत्रों के पुनर्वास स्थलों पर 7 दिवस के भीतर शिविर लगाकर शत प्रतिशत विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराये जायें। परियोजना प्रबंधक ने जानकारी दी कि प्रथम जलभराव में ही 386 मकान डूब क्षेत्र में आ जायेंगे, जिससे प्रभावित परिवारों का 31 मई तक पुनर्वास अत्यंत आवश्यक है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रभावित परिवारों का समयसीमा में पुनर्वास सुनिश्चित किया जाये और विभागों के बीच समन्वय बनाकर कार्य को गति दी जाये। बैठक में अपर कलेक्टर अविनाश रावत, एसडीएम मनोज चौरसिया, आरती यादव, मुनव्वर खान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मालथौन टोल प्लाजा के पास भीषण सड़क हादसा, खड़े कंटेनर में घुसी तेज रफ्तार कार, 4 घायल

मालथौन, देशबन्धु। नेशनल हाईवे 44 पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मालथौन टोल प्लाजा के पास सड़क किनारे खड़े एक कंटेनर में पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर जा घुसी। इस टक्कर में कार सवार एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। जानकारी के अनुसार घटना रविवार सुबह करीब 6 बजे की है। ललितपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार टोल प्लाजा के पास डिवाइडर के बगल में खड़े कंटेनर से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सवार लोग अंदर ही फंस गये। हादसे में भोपाल निवासी थान सिंह लोधी 46, विशाल लोधी 23, आशा लोधी 55 और कार चालक गंभीर रूप से घायल हुये हैं। सूचना मिलते ही डायल 112 के आरक्षक विनोद कुमार और पायलट भारत सोनी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को कार से बाहर निकाला। सभी घायलों को तत्काल मालथौन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, कार चालक और महिला आशा लोधी की नाजुक हालत को देखते हुये उन्हें बेहतर इलाज के लिये जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया है। फिलहाल, स्थानीय पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है कि हादसा चालक को झपकी आने की वजह से हुआ या कार की गति अत्यधिक होने के कारण।

कलेक्टर का औचक निरीक्षण, राजघाट से नए बस स्टैंड तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सागर, देशबन्धु। शहर की पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिभा पाल ने रविवार को सागर की जीवन रेखा राजघाट परियोजना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल शोधन प्रक्रिया, गुणवत्ता परीक्षण व्यवस्था एवं संबंधित अभिलेखों की बारीकी से समीक्षा करते हुये अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पानी की गुणवत्ता जांच से संबंधित लॉग बुक का अवलोकन किया तथा मौके पर ही जल नमूने की जांच कराई। परीक्षण में पानी का पीएच स्तर 7.30 पाया गया, जो मानक अनुरूप एवं पेयजल के लिये उपयुक्त है। उन्होंने केमिस्ट से परीक्षण प्रक्रिया, उपयोग किये जा रहे रसायनों तथा गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने क्लोरीन हाउस एवं टाटा द्वारा निर्मित 5.7 एमएलडी क्षमता वाले फिल्टर हाउस का निरीक्षण किया, साथ ही उन्होंने स्काडा सिस्टम के माध्यम से जल आपूर्ति की निगरानी और नियंत्रण व्यवस्था को समझा तथा इसके प्रभावी संचालन के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी और लीकेज की लगातार मॉनिटरिंग कर समय पर सुधार कार्य सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि कहीं भी दूषित पानी का वितरण न हो और पेयजल की गुणवत्ता पर सतत निगरानी रखी जाये। नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि राजघाट परियोजना के माध्यम से सागर नगर के 48 वार्ड, मकरोनिया के 18 वार्ड एवं छावनी क्षेत्र सहित लगभग 6 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। परियोजना की जल भंडारण क्षमता 62.67 लाख घन मीटर तथा जलग्रहण क्षेत्र 472 वर्ग किलोमीटर है। फिल्टर हाउस की क्षमता 88.20 एमएलडी है तथा जल वितरण के लिये 8 ओवरहेड टैंक और लगभग 430 किलोमीटर लंबा पाइपलाइन नेटवर्क स्थापित किया गया है। 1 जनवरी 2025 से टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड द्वारा संचालन एवं संधारण कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त राजकुमार खत्री, उपायुक्त एसएस बघेल, इंजी. संजय तिवारी, सब इंजीनियर राहुल रैकवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके पश्चात कलेक्टर ने नये आरटीओ कार्यालय के पास स्थित नए बस स्टैंड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुये आवश्यक सुधार कार्यों के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

सार समाचार

खुले पड़े ट्रांसफार्मर बाक्स से आए दिन हो रहे हादसे

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के मुख्य सड़कों और वार्डों में विभिन्न स्थानों पर बिजली के ट्रांसफार्मर खुले पड़े होने से आए दिन करंट से किसी न किसी मवेशी की मौत होने की घटना सामने आती रहती है। इसके बावजूद खुले पड़े ट्रांसफार्मर को बंद करने की ओर किसी का ध्यान नहीं है। अकेले छतरपुर शहर में ही बिजली कंपनी द्वारा करीब 460 ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। इसमें सर्किट हाउस तिराहा के पास, एलआईसी कार्यालय के सामने, चौक बाजार, महल रोड सिटी कोतवाली के पास, बकायन मार्ग, सटई रोड और स्टेडियम के सामने लगे कई ट्रांसफार्मर के नीचे के बाक्स सालों से खुले पड़े हैं। जो आए दिन पालतू जानवरों की मौत का कारण बन रहे हैं। इसके बावजूद बिजली कंपनी इन बाक्स को बंद नहीं करा सकी है। देखा जाए तो बारिश में कई ट्रांसफार्मर के आस-पास खरपतवार उग गया है। जिसे खाने के लिए वहां जैसे ही जानवर पहुंचते हैं वैसे ही वे खुले पड़े तारों के संपर्क में आकर करंट लगने से हादसे के शिकार हो जाते हैं। शहर में विभिन्न स्थानों पर बिजली के खुले तार जमीन से 7 फीट की ऊंचाई पर झूल रहे हैं। जिससे वाहन चालकों के साथ हादसे का खतरा बना रहता है।

सटई में थाना दिवस मनाया, कई शिकायतों का मौके पर समाधान

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के थाना सटई परिसर में थाना दिवस आयोजित किया गया। इसमें पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से क्षेत्रवासियों की भूमि संबंधी समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निराकरण भी किया।

इस कार्यक्रम में नायब तहसीलदार इंद्र कुमार गौतम, थाना प्रभारी सुनीता विदुआ, राजस्व निरीक्षक तथा विभिन्न हल्का पटवारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने सीमांकन, बंटवारा, नामांतरण और अवैध कब्जे से जुड़े अपने विवाद सामने रखे। थाना प्रभारी सुनीता विदुआ और नायब तहसीलदार इंद्र कुमार गौतम ने बताया, थाना दिवस के दौरान 12 से 15 लिखित आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कई आवेदनों का दस्तावेजों की जांच के बाद तुरंत निराकरण कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को जांच में लेकर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। ग्रामीणों ने एक ही छत के नीचे पुलिस और राजस्व अधिकारियों से समाधान मिलने पर राहत व्यक्त की। उन्होंने कहा कि थाना दिवस से उनका समय और पैसा दोनों बच गया, अन्यथा उन्हें तहसील और थाने के अलग-अलग चक्कर लगाने पड़ते।

फोटो-७

संयुक्त संचालक ने किया वेयर हाउसों का औचक निरीक्षण

छतरपुर, देशबन्धु। संयुक्त संचालक मण्डी बोर्ड संभाग सागर आरपी चक्रवर्ती ने जिले के कई वेयर हाउसों का औचक निरीक्षण करके स्टॉक की जानकारी ली है। जिससे गेहूं उपार्जन और भावांतर के तहत की जाने वाली खरीद में परेशानी न हो।

संयुक्त संचालक आरपी चक्रवर्ती ने बताया, संभाग के मण्डी क्षेत्रों के वेयर हाउसों की जांच करने के लिए 12 सदस्यीय टीम बनाई गई है जो संभाग के विभिन्न जिलों के मण्डी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले वेयर हाउसों में रखे गेहूं की जांच करेगी और देखेगी की वर्तमान समय में उनमें कितना गेहूं और सरसों का भण्डारण है। उन्होंने बताया कुछ लोग शासन द्वारा बनाई गई कृषक हितकारी योजनाओं में सेंध लगाने की कोशिश करके इन वेयर हाउसों में अपना भण्डारण कर विक्रय करने का प्रयास करते हैं। बिचौलियों की ऐसी कोशिश को नाकाम करने के लिए शासन और प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है।

तेजी से बढ़ा तापमान, प्रदेश में सबसे गर्म छतरपुर व नौगांव में 44.3 डिग्री पहुंचा पारा

भीषण गर्मी और लू का सेहत पर असर, अस्पताल में बढ़े मरीज

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में इन दिनों तेज धूप और पछुआ हवा के प्रभाव से तापमान तेजी से बढ़ा है। छतरपुर और नौगांव में पारा 44.3 डिग्री दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे ज्यादा है। वहीं खजुराहो में तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। इस तपिश भरी गर्मी से से बड़ी संख्या में लोग बीमार होने लगे हैं।

पिछले तीन-चार दिनों से मौसम बडी तेजी से बदला है, सुबह से चिलचिलाती धूप, दोपहर में लू के साथ भीषण गर्मी ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। दिन में तेज धूप के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भीड़भाड़ से हमेशा भरे रहने वाले बाजारों में दोपहर के समय सन्नाटा पसरा रहता है। रविवार को भीषण तपन और तेज लपट से लोग बेहाल बने रहे। जिला मुख्यालय छतरपुर और नौगांव में अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थल खजुराहो में अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। भीषण गर्मी और तेज लू के कारण छतरपुर के जिला अस्पताल की ओपीडी में सामान्य दिनों की अपेक्षा मरीजों की संख्या डेढ़ गुना बढ गई है। तीखी धूप और गर्म हवाएं शरीर पर प्रतिकूल असर डाल रही हैं। तेज गर्मी और धूप से बड़ी संख्या में लोग बीमार होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इनमें बुखार, शरीर में दर्द, सुस्ती और डायरिया जैसी शिकायतें सबसे अधिक मिल रही हैं। जिला अस्पताल में सुबह से ओपीडी में पर्चा बनवाने के लिए मरीजों की लंबी लंबी कतारें लग जाती हैं। अकसर डाक्टर देर से अस्पताल पहुंचते है, ऐसे में उनके चैंबर के सामने बड़ी संख्या में मरीज बेसब्री से उनका इंतजार करते दिखाई देते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा तरल खाद्य पदार्थो को अपने आहार में शामिल करें। नमक पानी का घोल या ओआरएस, छाछ, नींबू पानी, कच्चे आम का शर्बत, लस्सी, तरबूज, खरबूज, खीरा और ककड़ी का उपयोग जरुर करें। इस मौसम में तला.भुना, ज्यादा मसालेदार और बासे भोजन से बचें। कोल्डड्रिंक्स से परहेज करें, क्योंकि ये गर्मी से थोड़ी राहत तो देता है लेकिन स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है।

लू से बचाव और लू लगने पर क्या करें

डा. सुनील अग्रवाल ने लोगों को गर्मी से बचाव को लेकर विशेष सावधानी बरतने और खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। उन्होंने बताया तेज गर्मी में शरीर में पानी की कमी, उल्टी, तेज बुखार, कमजोरी, सिर दर्द, चक्कर आना, डायरिया, ह्दयाघात और कार्डियोवास्कुलर जटिलताएं जैसे लक्षण के साथ परेशानी बढ़ सकती है। वहीं, इस मौसम में त्वचा पर रैशेज सहित अन्य समस्याएं होने का भी खतरा बढ़ जाता है। इनसे तत्काल बचाव करना जरुरी है, जिससे परेशानी ज्यादा नहीं बढ़ती है। डा. अग्रवाल ने बताया, लू यानि हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए जरुरी है, कि अपने शरीर को हाइड्रेट रखें यानी शरीर में पानी और मिनरल की कमी न होने दें। भरपूर मात्रा में पानी पिएं, यदि जरुरत लगे तो ओआरएस का घोल भी ले सकते हैं। दोपहर 12 से शाम के 3 बजे तक यदि जरुरी न हो तो घर से बाहर न निकलें। अगर निकलना ही पड़े तो पूरे शरीर को ढककर ही बाहर निकलें, ताकि गर्म हवा से सीधे शरीर का एक्सपोजर न हो। उन्होंने बताया लू लगने पर व्यक्ति को छांव में लिटा दें, ठंडे गीले कपड़े से शरीर को बार बार पोंछे या ठंडे पानी से नहलाएं। अगर इसके बावजूद व्यक्ति की सेहत में सुधार न दिखें, तो बिना समय गंवाए नजदीकी अस्पताल ले जाकर इलाज करवाएं।

सड़क पर शव रखकर लगाया जाम, समझाइश के बाद माने परिजन

छतरपुर, देशबन्धु। शनिवार को सचिन गैरेज में हुए हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत के बाद रविवार को दोपहर लगभग दो बजे हालात उस समय तनावपूर्ण हो गए, जब परिजन पोस्टमार्टम के बाद परिजन दोनों शवों को लेकर पहुंचे और सागर-कानपुर नेशनल हाइवे के महाराजपुर तिराहे पर शवों को रखकर जाम लगा दिया। इससे तीनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। काफी समझाइश के बाद करीब डेढ़ घंटे बाद परिजन मान गए और जाम खोल दिया गया।

इस घटना के कारण मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए, उनका आरोप है कि बिना किसी सुरक्षा इंतजाम के टैंकर के अंदर काम कराया गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। परिजन इसे हत्या करार देकर पूरे मामले की जांच के बाद जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। इस आंदोलन के कारण हाइवे पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही गढ़ीमलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं और हर संभव मदद तथा निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाकर प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। मगर वे मानने की बजाय, एसपी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े थे। कुछ देर बाद एसडीओपी नौगांव अमित मेश्राम ने मौके पर आकर परिवार वालों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद करीब साढ़े तीन बजे परिजन माने और जाम खुल सका। इसके बाद हालात सामान्य हुए और हाइवे पर यातायात पूर्ववत बहाल हो सका।

इनका कहना है

पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है। परिजन ने जो मांग की है उस पर पुलिस ने जांच का भरोसा दिया है। पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, इसके आधार पर ही आगे की कार्रवाही की जाएगी।

अमित मेश्राम
एसडीओपी, नौगांव

आखिर क्या है पूरा मामला

शनिवार को गढ़ीमलहरा निवासी सचिन पटेल के बिल्डिंग गैराज में महाराजपुर निवासी 22 वर्षीय गुलाब अनुरागी और 23 वर्षीय अरमान खान पानी के एक टैंकर की मरम्मत के बाद उसके अंदर उतरकर पुताई कर रहे थे, तभी दोपहर करीब साढ़े 4 बजे परिजनों को सूचना मिली कि दोनों युवक टैंक के अंदर बेहोश पड़े हैं। यह टैंकर ग्राम पंचायतों के थे जो मरम्मत के लिए आए थे। इसी दौरान गैराज मालिक सचिन पटेल दोनों को अपनी गाड़ी से एक निजी अस्पताल लेकर पहुँचे, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों युवकों के शरीर पूरी तरह से अकड़ चुके थे, त्वचा काली पड़ गई थी। अस्पताल में जांच के दौरान मृतकों के शरीर पर, विशेषकर अरमान के हाथों पर गंभीर रुप से झुलसने के निशान मिले हैं। ये देखकर करंट लगने की बात भी कही जा रही है। हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि पेंटिंग में इस्तेमाल थिनर और केमिकल की जहरीली गैस टैंकर में जमा हो गई, जिससे ऑक्सीजन की कमी के कारण उनका दम घुट जाने से मौके पर उनकी मौत हो गई।

सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड वाहनों से हादसों का खतरा

छतरपुर, देशबन्धु। शहर में इन दिनों यात्री वाहन क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर सड़कों पर सरपट दौड़ रहे हैं। जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बनी है। देखने में आता है कि अधिक कमाई के चक्कर में छोटे यात्री वाहनों के चालक क्षमता से दोगुने यात्री बैठाकर वाहन को अंधी गति से चलाते हैं। सवारियां वाहनों के अंदर ठूंस-ठूंसकर बैठाने के अलावा बाहर भी लटकी रहती हैं। जिले के हर थानों के सामने से ऐसे वाहन आराम से गुजरते रहते हैं और पुलिस इनको अनदेखा किए रहती है। लोगों का कहना है कि ऐसे वाहनों पर कार्यवाही की जाए, ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके। लोगों का आरोप है कि यातायात पुलिस शहर के बाहर चैकिंग प्वाइंट लगाकर ऐसे वाहनों और ट्रकों से एंट्री के नाम से अवैध रूप से वसूली करके इन्हें मनमानी करने की छूट दिए है।

सड़क के निर्माण कार्य से बढ़ी परेशानी, लोगों का जीना मुश्किल

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के चंदला से चंदपुरा तक बन रही नई सड़क के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। निर्माण कार्य से इलाके में धूल के गुबार से लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है।

दिन में चल रहे काम से मुख्य मार्ग पर घंटों भीषण जाम लग रहा है। इसे नियंत्रित करने के लिए कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं किए गए हैं। लोगों का आरोप है कि नगर परिषद यदि चाहती, तो बछौन तिराहा से बड़ी फील्ड तक पड़े बाईपास मार्ग को दुरुस्त कर यातायात डायवर्ट किया जा सकता था, लेकिन जिम्मेदारों ने इसे जरूरी नहीं समझा। वहीं, एमपीआरडीसी ने बस स्टैंड तक सड़क किनारे खुदाई कर समस्या को और विकराल बना दिया है। मुख्य सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहन और बेलगाम वाहन चालकों की मनमानी के कारण जाम का अंतहीन सिलसिला जारी है। निर्माण स्थल और बस स्टैंड के पास ट्रैफिक को संभालने के लिए पुलिस की तैनाती न होने से अव्यवस्था और बढ़ गई है।

खेत में पानी देने के विवाद में पीटा, दंपत्ति और बेटा घायल

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम महाराजगंज में खेत में पानी देने को लेकर हुए विवाद के बाद लाठी और लोहे की रॉड से मारपीट करके दंपत्ति और उनके बेटे को बुरी तरह से घायल कर दिया गया है।

घायलों को बड़ामलहरा में प्राथमिक उपचार के बाद छतरपुर जिला अस्पताल के ट्रोमा वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों की पहचान ग्राम महाराजगंज निवासी बृजेश कुशवाहा (28 वर्ष), उसके पिता रामदीन कुशवाहा (51 वर्ष) और मां श्याम बाई कुशवाहा (48 वर्ष) के रूप में हुई है। घायल बृजेश ने पुलिस को बताया, 4 रविवार को सुबह करीब 5 बजे वह अपने खेत में उड़द की फसल में पानी लगा रहा था। इसी दौरान गांव के परमलाल, छुट्टन, धनप्रसाद और रामदयाल उसके खेत पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए पूछने लगे कि तुमने हमारा पाइप क्यों निकाला है। इसके बाद आरोपियों ने लाठी और लोहे की रॉड से उस पर और उसके माता पिता पर हमला कर दिया। मारपीट में पिता-पुत्र और मां तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले की रिपोर्ट पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मारपीट और गाली-गलौज का मामला दर्ज कर लिया है, उनकी तलाश की जा रही है।

मकान निर्माण के दौरान जमकर मारपीट में तीन घायल

छतरपुर, देशबन्धु। सिटी कोतवाली क्षेत्र के मातवाना मोहल्ले में घर के निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। ये इतना बढ़ गया कि जमकर मारपीट हुई, जिसमें रामनारायण अहिरवार, उनका बेटा शिवम और पत्नी घायल हो गए हैं। रिपोर्ट दर्ज कराते हुए रामनारायण ने बताया कि वह अपने मकान का निर्माण कार्य करा रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले कैलाश और उनके परिजनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर कैलाश पक्ष के लोगों ने ईंट उठाकर रामनारायण के सिर पर मार दी। इसके बाद उनके बेटे शिवम और पत्नी के साथ भी जमकर मारपीट की गई। तीनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है और आरोपी कैलाश एवं उनके परिजनों की तलाश की जा रही है।

गेंहू से लदे ट्रक का टायर फटने से लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई ज़ान

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के हरपालपुर। नगर में राजपूत कॉलोनी तिराहे पर शनिवार रात करीब 8 बजे भीषण अग्निकांड ने लोगों को चौंका दिया है। दरअसल 30 टन गेहूं से लदा एक ट्रक का टायर फटने से निकली चिंगारी डीजल टैंक तक पहुंच गई, जिससे ट्रक में भीषण आग लग गई।

ट्रक में लदा लाखों रुपये का गेहूं प्लास्टिक की बोरी में भरा था, जो आग की वजह से पिघल गया। ट्रक का केबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि आग को समय पर काबू में कर लिया गया, वरना पूरा गेहूं जलकर राख हो जाता। ट्रक ड्राइवर ने अपनी जान बचाने के लिए ट्रक से कूद गया। ड्राइवर ने बताया, वह हर हर महादेव फर्म से गेहूं लादकर रुड़की जा रहा था। राजपूत कॉलोनी तिराहे पर टर्न लेते समय ट्रक का अगला टायर फट गया। टायर फटने से निकली चिंगारी डीजल टैंक तक पहुंच गई और आग भड़क उठी।

आग लगते ही ड्राइवर तुरंत कूद गया। आसपास के लोगों ने भी मोटर पंप चलाकर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। आग की सूचना मिलते ही नगर परिषद हरपालपुर की फायर ब्रिगेड और पीसीआर 112 की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब 20 मिनट कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

परशुराम जयंती पर उमड़ा आस्था का सैलाब, निकली भव्य शोभा यात्रा

बक्सवाहा, देशबन्धु। भगवान परशुराम की जयंती के अवसर पर नगर में आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिससे पूरा नगर भक्तिमय हो गया।

शोभा यात्रा कुडेरिया मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ हुई। यात्रा में भगवान परशुराम की आकर्षक झांकी सजाई गई थी, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। डीजे, ढोल-नगाड़ों एवं भक्ति गीतों की धुन पर युवा और श्रद्धालु उत्साहपूर्वक झूमते नजर आए। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बिहारी जी मंदिर, रामनारायण मंदिर, जगदीश स्वामी मंदिर, बस स्टैंड, महाकाली मंदिर, एक्सीलेंस तिराहा एवं अस्पताल मार्ग से होकर गुजरी। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। शोभा यात्रा का समापन पुनः कुडेरिया मंदिर पहुंचकर किया गया, जहां विधिवत पूजन के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान कई स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों द्वारा जलपान एवं स्वागत की व्यवस्था भी की गई। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। जिससे यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। आयोजन में नगर के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

आईजी के फॉलो गार्ड वाहन की टक्कर से किशोर घायल

छतरपुर, देशबन्धु। ग्राम अनगौर के 12 वर्षीय सतीश रजक को हाइवे पर तेज रफ्तार में जा रही कार ने टक्कर मार दी। हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसका इलाज छतरपुर जिला अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में चल रहा है। घटना के बारे में परशुराम रजक ने बताया, उसका पुत्र सतीश रजक अपने खेत से घर लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पर आईजी के वाहन के आगे चल रहे फलोगार्ड कार ने उसे टक्कर मार दी। ये टक्कर की इतनी तेज थी कि बच्चा हवा में उछलकर सड़क पर गिर पड़ा। ग्रामीणों ने तुरंत घटना की सूचना परिजनों को फोन पर दी। परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस वाहन से घायल बच्चे को छतरपुर जिला

भगवान परशुराम का अभिषेक करके शुरू किया पशु-पक्षी पेयजल अभियान

कई जगह रखी गई पानी की टंकियां, पक्षियों के लिए पेड़ों पर टांगे सकोरे

***छतरपुर, देशबन्धु।** रविवार को मोटे के महावीर मंदिर प्रांगण में हिंदू उत्सव समिति द्वारा भगवान परशुराम का विधिविधान से अभिषेक व पूजन करके अपने सामाजिक अभियान के तहत बेजुबानों पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए पशु-पक्षी पेयजल अभियान की शुरुआत की गई।*

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम की आरती करके समाज सेवा के इस संकल्प में भागीदारी निभाई। समिति के अध्यक्ष पवन मिश्रा ने बताया, भीषण गर्मी को देखते हुए हर साल की तरह इस वर्ष भी समिति का पशु पक्षी पेयजल अभियान शुरु किया गया है। पशुओं के लिए पानी की टंकी रखकर उसमें पानी भरा गया। वहीं पक्षियों के लिए जगह-जगह पेडों पर सकोरे टांगे गए, जिससे वे आसानी से पानी पी सकें। उन्होंने बताया बढ़ती गर्मी में पशु-पक्षियों को पानी उपलब्ध कराना बड़ा पुण्य कार्य है। इस अभियान को पूरे गर्मी के मौसम में लगातार चलाया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे भी अपने घरों के बाहर पानी के बर्तन रखकर उनमें पानी भरकर पशु-पक्षियों की सेवा करें।

कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने इस अभियान को सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का संकल्प लिया। इस अवसर पर दर्शना एनजीओ की प्रभा वैद्य, जगत नारायण पाठक, कृपाशंकर महाराज, बृजकिशोर तिवारी, शैलेंद्र मिंटू तिवारी, सुदीप पांडे, प्रकाश बाबू पांडे, हरिशंकर लोहिया, पूर्णदत्त चतुर्वेदी दीपू, पं बृजगोपाल तिवारी, मनोज पाठक, अनुजय पाठक, नारी शक्ति की संयोजक बरखा मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सागर, सोमवार 20 अप्रैल 2026

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

महिला आरक्षण पर सरकार का खेल

सत्यमेव जयते, यह भारत का ध्येय वाक्य है। भारतीयों का यही यकीन है कि सच की ही जीत होती है। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार बार-बार हमारे इस यकीन की परीक्षा ले रही है। देश में अब एक बार फिर सच को नकारने की कोशिश और झूठ को बढ़ावा देने की राजनीति शुरु हो गई है। शनिवार का प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन ऐसी ही एक कोशिश थी। संसद के विशेष सत्र में 131 संविधान संशोधन विधेयक को सरकार पारित नहीं करवा सकी। इंडिया गठबंधन की एकजुटता ने मोदी सरकार को करारी हार का स्वाद चखाया तो अब भाजपा कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों पर हमलावर है कि वह नारी का अपमान करती है। हालांकि संसद में चर्चा के दौरान विपक्ष ने लगातार यही कहा कि उसका विरोध महिला आरक्षण से नहीं है। जब 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम मोदी सरकार लाई थी, जिसके जरिए महिलाओं को संसद और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, तो सारे दलों ने इस पर सहमति जताई थी। तब प्रधानमंत्री मोदी ने इस सफलता के लिए अपनी पीठ थपथपाई थी, तो अब उनके द्वारा लाया गया एक दूसरा विधेयक पारित नहीं हो सका, तो इस की जिम्मेदारी भी उन्हें खुद लेनी चाहिए, मगर वे विपक्ष पर ठीकरा फोड़ रहे हैं।

दरअसल विपक्ष का विरोध महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन विधेयक पारित कराने की कोशिशों पर था। यह बात उसने पहले ही साफ कर दी थी, फिर भी सरकार ने विधानसभा चुनावों के बीच में संसद का विशेष सत्र लगाया, ताकि संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित करवा सकें, लेकिन संविधान संशोधन विधेयक में ही सरकार के हाथ नाकामी लगी, तो अभी के लिए बाकी दोनों विधेयकों से किनारा कर लिया गया। सरकार ने 2023 में पारित विधेयक पर तो कानून नहीं बनाया, लेकिन अब चाहती है कि बिना जनगणना के परिसीमन हों, जिसमें संसद और विधानसभा की सीटें बढ़ जाएं, उसके बाद उसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण किया जाए। लेकिन विपक्ष का तर्क था कि महिलाओं को आरक्षण आप अभी दे दीजिए, उसके लिए परिसीमन की जरूरत नहीं है। असल में मोदी सरकार की निगाहें 2029 के चुनावों पर हैं, जिसमें परिसीमन के बाद उत्तरभारत की सीटें दक्षिण भारत की तुलना में बढ़ जाएंगी, क्योंकि यहां आबादी ज्यादा है और दक्षिण भारत में जनसंख्या पर काफी हद तक नियंत्रण है। भाजपा को उत्तरभारत से ही फायदा है। लेकिन इस बार मोदी सरकार की चालाकी नाकाम हो गई। राहुल गांधी ने इस विधेयक पर चर्चा के दौरान जिस तरह जादूगर का खेल खराब होने की कहानी सुनाई और उस पर सत्तापक्ष के लोग हड़बड़ाए, घबराए दिखे, उसी से समझ आ गया कि उन्हें भी हार का डर था। हालांकि हारने के बाद भी भाजपा ने जब विपक्ष को ही महिला-विरोधी साबित करने की कोशिश की और मीडिया इसमें रूदाली की भूमिका में आ गया, तो प्रियंका गांधी ने शनिवार सुबह एक प्रेस कांफ्रेंस कर सारी स्थिति साफ कर दी कि हम महिला आरक्षण के विरोध में नहीं हैं, उसके नाम पर अभी परिसीमन कराने की कोशिश के विरोध में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का मसीहा बनना आसान नहीं होता। उसके लिए काम करना पड़ता है। इससे पहले प्रियंका गांधी ने संसद में यह भी कहा था कि बहकाने वाले पुरुषों को महिलाएं झट से पहचान लेती हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी की समझ में शायद इनमें से एक भी बात नहीं आई और उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस का जवाब देने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। राष्ट्र के नाम संबोधन किया, जिसमें मणिपुर में भड़कती हिंसा, ईरान के कारण ऊर्जा संकट, भारतीय झंडे वाले जहाज पर ईरानी नेवी का हमला, अर्थव्यवस्था का डांवाडोल होना, ऐसे किसी जरूरी मुद्दे पर बात नहीं की, आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते हुए महिला आरक्षण लागू न करने के लिए विपक्ष को कोसा।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश को संबोधित करते हुए देश की 'माताओं और बेटियों' से माफी मांगी और विपक्ष पर 'छोटी राजनीति' के कारण महिलाओं के सपनों को कुचलने का आरोप लगाया। अपने करीब आधे घंटे के संबोधन में कम से कम 34 बार तो प्रधानमंत्री ने कांग्रेस का नाम लिया, यानी औसतन हरेक मिनट में कांग्रेस कहा, उसके अलावा सपा, डीएमके, टीएमसी सबकी बुराई की। अब उन्हें इतना ही दुख है कि महिलाओं को आरक्षण नहीं मिल पा रहा है, तो विपक्ष जो कह रहा है कि 2023 में पारित विधेयक को ही लागू कर दीजिए, तो इस बात को श्री मोदी क्यों नहीं मान रहे हैं। और विपक्ष के सामने खुद को इतना ही मजबूर समझ रहे हैं, तो इंदिरा गांधी की तरह लोकसभा भंग कर फिर से बहुमत लाने का साहस दिखाइए। ध्यान रहे कि सितंबर 1970 में प्रिवीपर्स खत्म करने वाला विधेयक राज्यसभा में मात्र एक वोट से गिर गया था। इस हार के बाद, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकसभा भंग कर दी थी। स्वतंत्र भारत में यह पहली बार था जब लोकसभा भंग की गई थी। तब इंदिरा गांधी ने इसी तरह देश को संबोधित किया और अपने प्रसारण में कहा, 'हम केवल सत्ता में बने रहने को लेकर चिंतित नहीं हैं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग अपनी जनता के विशाल बहुमत के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए करना चाहते हैं।' इसके बाद 1971 में मध्यावधि चुनाव हुए। जिसमें 'गरीबी हटाओ' के नारे और राजशाही विशेषाधिकार खत्म करने के मुद्दे ने इंदिरा गांधी को भारी बहुमत से जीत दिलाई। इसके बाद उन्होंने 26वें संविधान संशोधन के माध्यम से 1971 में प्रिवीपर्स को आधिकारिक तौर पर समाप्त कर दिया। नरेन्द्र मोदी चाहते तो ऐसा ही कोई ऐलान करते, मगर उन्हें केवल रोना और कोसना ही आता है।

बहरहाल अब इंडिया गठबंधन भी सरकार को चिट्ठी लिखने वाला है कि आप 2023 वाला विधेयक फौरन कानूनन लागू कीजिए और साथ ही इस मुद्दे पर पूरे देश में प्रेस कांफ्रेंस भी करने वाला है। देश में फिर 2022-23 जैसा माहौल बनता दिख रहा है, जिसमें विपक्षी एकता के कारण 2024 में भाजपा बहुमत से पीछे रह गई थी। क्या उसे 2029 से पहले ही सत्ता से विदा लेनी पड़ेगी।

राहुल ने मोदी का जादू खत्म किया

राहुल ने बिल्कुल सही कहानी सुनाई थी। जादूगर का जादू खत्म हो गया और जादूगर भी खत्म हो गया। खत्म हो गया मतलब उसकी वह कला जगलरी खत्म हो गई।

महिला की आड़ में लाया गया परिसीमन बिल तो गिरा ही प्रधानमंत्री मोदी का खेल भी खत्म हो गया। शनिवार रात साढ़े आठ बजे प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी, समर्थकों, मीडिया और खुद को बहलाने के लिए भाषण दिया। नाम तो इसे राष्ट्र के नाम संबोधन का दिया गया था। मगर राष्ट्र के नाम संबोधन बहुत बड़ी चीज होती है। पूरा देश उत्सुकतापूर्वक सुनता है। देश के लिए कोई प्रेरणा होता है। हर कोई राष्ट्र को संबोधित नहीं कर सकता। यह विशेषाधिकार केवल राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ही होता है।

लेकिन मोदीजी ने शनिवार रात इसे शिकवा शिकायत, रोना सहानुभूति पाने की कोशिश का जरिया बना दिया। प्रधानमंत्री मोदी का अब तक सबसे कमजोर भाषण। और यह हम नहीं कह रहे। उनके समर्थक कह रहे हैं। वे समर्थक जिनमें उत्साह भरने के लिए मोदी ने यह भाषण दिया था। कुछ तो इन्दिरा गांधी को याद कर रहे हैं कि कैसे वे हार को जीत के अवसरों में बदल देती थीं। मगर यह भूल गए कि वे इन्दिरा गांधी थीं। झूठ के मंच पर नहीं खड़ी थीं। उनके सिद्धांत थे, मूल्य थे। प्रगतिशील थीं। पूरे देश को साथ लेकर चलती थीं। नफरत और विभाजन की राजनीति नहीं करती थीं।

उन जैसा करने के लिए अंदर से साहस चाहिए। मोदी वह कहां से लाएंगे? नकारात्मक सोच डर पैदा करता है, हिम्मत नहीं। मगर खैर मोदी इन्दिरा की तरह काम करने लगें सब चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने जैसा डरा रखा है सबसे पहले उससे बाहर निकलें और इन्दिरा गांधी की तरह धमका दें जैसे उन्होंने उस समय के राष्ट्रपति निक्सन को हड़काया था कि भारत को क्या करना है यह तुमसे और पाकिस्तान से सीखने की जरूरत नहीं।

कर पाएंगे या नहीं देखना होगा! लेकिन अगर कर दिया तो अगला राष्ट्र के नाम संबोधन रोने गाने के लिए नहीं देश को गर्व कराने वाला होगा। जो देश चाहता है। संबोधन में पाकिस्तान का नाम तो लिया मगर यह नहीं कह सके कि मेरी विदेश नीति की असफलता की वजह से आज वह दुनिया में केन्द्रीय भूमिका में आ गया है। पाकिस्तान का नाम लिया था तो यह भी बताना था कि उसने कोई बड़ा तीर नहीं मारा है। हमारे विश्व रंगमंच से हटने से उत्पन्न शून्य ने उसे मौका दे दिया।

लेकिन प्रधानमंत्री ने यह सब कुछ नहीं बोला कांग्रेस और बाकी टीएमसी, डीएमके, सपा को कोसते रहे। सोचिए राष्ट्र के नाम संबोधन में यह होता है? यह पार्टियां तो राष्ट्र का हिस्सा हैं। राष्ट्र के बाहर जिनसे चुनौती है उन पर हमला करना था। पाकिस्तान, चीन, राष्ट्रपति ट्रंप जो कहते हैं कि मैं आपका राजनीतिक कैरियर खतम कर सकता हूं उन पर हमला करना था। जनता खुश होती। मगर यहां तो उल्टे आपके समर्थक दुखी और निराश हो गए।

क्या राहुल गांधी की बात सही साबित हो गई। इतनी जल्दी। पहले भी उनकी कई बातें सही साबित हुई हैं कि किसान बिल वापस लेना पड़ेंगे, जाति गणना करना पड़ेगी। और भी कई। मगर यहां तो इतना तत्काल फल (परिणाम) आ रहा है कि कोई सोच भी नहीं सकता। राहुल की शुक्रवार को लोकसभा में कही दो बातें सही साबित हो गईं। एक उन्होंने कहा था कि अभी आधे घंटे में यहीं इनका दक्षिणी राज्यों के साथ साजिश करने का बिल गिराएंगे। और वाकई वह बिल गिरा दिया।

शकील अख्तर

> सोचिए भारत की एकता और अखंडता के लिए यह कितना जरूरी है कि दक्षिण के राज्यों में ऐसा कोई संदेश नहीं जाए कि उनकी सीटें कम करने की साजिश हो रही है। उन्हें उत्तर भारत के मुकाबले कमजोर करने की कोशिश हो रही है। विपक्ष ने इस माहौल को खत्म कर दिया। देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए यह विपक्ष का बड़ा योगदान है।

दूसरा उन्होंने कहा था कि जादूगर का जादू खतम हो गया और खुद जादूगर भी। शनिवार को प्रधानमंत्री के भाषण के बाद यह भी दिख गया। केवल एक गोदी मीडिया है जो अभी भी प्रधानमंत्री में जादू देख रहा है। वह अभी भी बताने में लगा है कि राहुल कांग्रेस, टीएमसी ममता, डीएमके स्टालिन, सपा अखिलेश सब खत्म हो गए। प्रधानमंत्री के एक भाषण ने इन सबकी राजनीति खत्म कर दी।

मगर गोदी मीडिया के अलावा किसी को नहीं लग रहा कि मोदी में अब बाजी पलटने की क्षमता है।

जिसे महिला बिल कह रहे हैं उसकी असलियत सबकी समझ में आ गई है कि उसका महिलाओं से कोई संबंध नहीं था। वह तो मनमाने ढंग से अपने लिए जीतने वाली सीटें बढ़ाने का परिसीमन बिल था। दक्षिण के राज्यों में सौतेला समझने की भावना फैलाने वाला बिल।

सोचिए भारत की एकता और अखंडता के लिए यह कितना जरूरी है कि दक्षिण के राज्यों में ऐसा कोई संदेश नहीं जाए कि उनकी सीटें कम करने की साजिश हो रही है। उन्हें उत्तर भारत के मुकाबले कमजोर करने की कोशिश हो रही है।

विपक्ष ने इस माहौल को खत्म कर दिया। देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए यह विपक्ष का बड़ा योगदान है। प्रधानमंत्री महिलाओं की आड़ में अपने राजनीतिक उद्देश्य छुपाना चाह रहे थे। 12 साल बाद भी उन्हें दक्षिण में स्वीकृति नहीं मिली। इसके लिए वाजपेयी की तरह वहां की पार्टियों का नेताओं का विश्वास जीतकर धीरे-धीरे जगह बनाते। लेकिन उन्होंने सीधे दक्षिणी राज्यों की लोकसभा सीटें कम करने का षड्यंत्र रच डाला।

राहुल ने पकड़ लिया। क्या इंटेलिजेंट कहानी थी। एकदम सामयिक। जो लोग उस समय लोकसभा में थे वही समझ सकते हैं कि सरकार के मंत्रियों और खुद लोकसभा अध्यक्ष ने राहुल को किस तरह यह कहानी सुनाने से रोकने की कोशिश की। बाहर तो जितना लिमिटेड संसद टीवी से आता है वही दिख रहा था। मगर अंदर प्रेस गैलरी से वह सब दिख रहा था कि किस तरह राहुल का मजाक उड़ाने से लेकर चिल्लाकर उन्हें रोकने, बार-बार व्यवधान करने याने कि हर तरह डिस्करेज करने की कोशिश हुई। राहुल को कई बार बैठ जाना पड़ा। लोकसभा अध्यक्ष ने मर्यादा का पाठ पढ़ाने की कोशिश की। यहां तक बोल गए ओम बिरला कि अगर सत्ता पक्ष इन्हें नहीं रोकेगा तो मैं रोकूंगा।

और सबसे मजेदार बात यह कि राहुल ने एक बार भी प्रधानमंत्री शब्द का इस्तेमाल नहीं किया था। मोदी नाम लेना तो दूर की बात। केवल मैजिशियन कह रहे थे। लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आप प्रधानमंत्री के लिए ऐसा नहीं बोल सकते। राहुल ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री का नाम ही नहीं लिया। मगर सत्ता पक्ष कहता रहा कि मोदी की तुलना जादूगर से करना प्रधानमंत्री का अपमान है। जिनकी समझ में नहीं आ रहा था उनकी भी आ गया कि राहुल मोदी का जादू खतम होने की बात कर रहे हैं।

और शनिवार रात को उनके भाषण के बाद उनके समर्थक भी मान गए कि जादू खत्म हो गया। शब्दों का खोखलापन उजागर हो गया। बहुत नाटकीय भाव भंगिमाएं बनाने की कोशिश की मगर दर्शकों में कोई भावनाएं नहीं जगा पाए।

अब बंगाल और तमिलनाडु में मतदान होना है। 23 अप्रैल को तमिलनाडु में पूरा और बंगाल के पहले फेज का। शनिवार को प्रधानमंत्री इसलिए बार-बार शायद 8-10 बार तो लिया होगा टीएमसी और डीएमके का नाम लिया। इतनी ही बार और ले लेते मगर फिर भी कुछ नहीं होता। तमिलनाडु में कहीं मुकाबले में ही नहीं हैं। बंगाल में भी हार पक्की है।

मोदी की आखरी कोशिश बंगाल पर ही टिकी है। यहां की हार के बाद भाजपा संघ के अंदर भी उनका जादू खत्म होने की घोषणा हो जाएगी।

महिला बिल भाजपा संघ की विचारधारा के अनुकूल नहीं है। अगर होता तो 1989 में जब राजीव गांधी पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण का बिल लाए तो राज्यसभा उसका विरोध करके उसे नहीं गिराते। राष्ट्र के नाम संबोधन में भी और उससे पहले अपने लोकसभा के भाषण में भी मोदी पंचायत में महिलाओं के आने का जिक्र कर रहे थे। मगर यह नहीं बता रहे थे कि वह राजीव गांधी की देन थी। भाजपा ने तो विरोध किया था।

ऐसे ही 2010 में महिला बिल राज्यसभा में पास हो गया था। मगर लोकसभा में उनकी महिला ही नेता सुषमा स्वराज ने इसका विरोध किया था। इसलिए बीजेपी संघ मोदी के इस बिल के लाने के पक्ष में नहीं थी। मगर मोदी ने इसे मास्टर स्ट्रोक बताते हुए अचानक बजट सत्र की अवधि बढ़ाकर इसे पेश कर दिया।

मास्टर स्ट्रोक फेल हो गया। बाल सीधे कप्तान राहुल के हाथ में चली गई।

कॉट एंड बोल्ड (Caught and bowled)

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

हंसा मेहता ने महिलाओं को 'मानव' का दर्जा दिलाया

केंद्र सरकार ने साल 2023 में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के लिए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' कानून बनाया था। उसमें प्रावधान रखा- 'नई जनगणना व परिसीमन के बाद ही 33 फीसदी आरक्षण लागू होगा।' ऐसे में परिसीमन को लेकर ही यह संविधान संशोधन बिल 16 से 18 अप्रैल तक चले संसद के विशेष सत्र के दौरान पटल पर रखा गया था, जो पारित न हो सका।

संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार हर दस साल में होने वाली जनगणना के बाद देश में परिसीमन होता है। इसके अनुसार साल 2021 में जनगणना प्रस्तावित थी। उस दौर में कोरोना और उससे उपजी परिस्थितियों के कारण वह तब टल गयी थी। हालांकि इस साल 17 अप्रैल से विभिन्न राज्यों में जनगणना शुरू हुई है जो 2027 तक दो चरणों में पूरी होगी।

उसके बाद सीटों के समायोजन के लिए परिसीमन कराना था। इसके लिए संविधान संशोधन के तहत आवश्यक दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी, जिसके नहीं जुटा पाने और बिल को लेकर विपक्ष में अविश्वास के बीच संशोधन पर अभी ब्रेक लग गया है।

नीतीश कुमार सिंह

> संविधान सभा में हंसा मेहता कहती हैं- 'इस देश की सामान्य स्त्री शताब्दियों से उस पर पुरुष समाज के नियम, व्यवहार और रीति-रिवाजों द्वारा लादी हुई असमानताओं से पीड़ित है, जो कि सभ्यता के उच्च शिखर से, जिसका कि हम सबको गौरव था, पतित हो गया है। उस गौरव की प्रशंसा डॉ. एस. राधाकृष्णन सदैव करते रहे हैं।' मेहता ने कहा, 'आज ऐसी हजारों स्त्रियां हैं जिन्हें साधारण मानवीय अधिकारों से वंचित रखा जाता है। उन्हें परदों के अंदर घर की चारदीवारी में बंद रखा जाता है।

अब चहुंओर नारी सशक्तिकरण की बहस-मुनादी का शोर है। यदि सत्ता पक्ष अपने संगठन में महिलाओं की समुचित भागीदारी देकर सकारात्मक कदम बढ़ाए तो विपक्ष के सामने लंबी लकीर खींच सकता है। यह नैतिक और न्यायोचित होगा।

वैसे तो महिलाओं की भागीदारी संविधान बनने के दौरान बेहद कम थी परन्तु वह सशक्त थी। संविधान सभा में सिर्फ 15 महिला सदस्य ही थीं। उनमें सर्वाधिक मुखर हंसा मेहता, सुचेता कृपलानी, अमृता कौर, दुर्गाबाई देशमुख, रेणुका राय, विजयलक्ष्मी पंडित और सरोजिनी नायडू ने विभिन्न अवसरों पर बेबाकी से अपने विचार व्यक्त किए थे।

हंसा मेहता संविधान सभा में अपनी भूमिका अदा करने के संग-संग वर्ष 1946 से 1948 तक संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत की प्रतिनिधि भी थीं। उन्होंने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के मसौदे में 'आल मेन आर बॉर्न फ्री एंड इक्वल' (शाब्दिक अनुवाद- सभी पुरुष स्वतंत्र और समान पैदा हुए हैं) वाक्यांश को बदलवाकर 'आल ह्यूमन बींग्स आर बॉर्न फ्री एंड इक्वल' (सभी मानव स्वतंत्र और समान पैदा हुए हैं) करवाया था। इसे लैंगिक समानता को लेकर महान बदलाव के तौर पर आज भी याद किया जाता है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि 'मैन' (पुरुष) शब्द से महिलाओं के अधिकार सीमित न हों। ऐसे ही छोटे और प्रभावी कदमों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में मजबूत पहल हो सकती है। उदाहरणार्थ, बिहार ने गरीबी और पिछड़ापन से निकलने के लिए आधी आबादी को सरकारी नौकरियों में 35 फीसदी आरक्षण दिया। पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य सरीखे क्षेत्रों में महिलाएं नौकरियां पा रही हैं। बिहार ने ही हरेक पंचायत में बारहवीं तक स्कूल खोले और बच्चियों को साइकिलें मुहैया कराईं। इससे व्यापक बदलाव हुए।

ऐसे ही, केरल में कुटुंबश्री, ओडिशा में मिशन शक्ति जैसी आर्थिक सशक्तिकरण की योजनाओं ने महिलाओं को सुदृढ़ किया है। कई राज्यों में महिलाओं के लिए पंचायत स्तरीय चुनाव में 33 से लेकर 50 फीसदी तक का आरक्षण किया गया है। हालांकि संविधान सभा की मंशा अभी अधूरी है।

संविधान सभा में हंसा मेहता कहती हैं- 'इस देश की सामान्य स्त्री शताब्दियों से उस पर पुरुष समाज के नियम, व्यवहार और रीति-रिवाजों द्वारा लादी हुई असमानताओं से पीड़ित है, जो कि सभ्यता के उच्च शिखर से, जिसका कि हम सबको गौरव था, पतित हो गया है। उस गौरव की प्रशंसा डॉ. एस. राधाकृष्णन सदैव करते रहे हैं।' मेहता ने कहा, 'आज ऐसी हजारों स्त्रियां हैं जिन्हें साधारण मानवीय अधिकारों से वंचित रखा जाता है। उन्हें परदों के अंदर घर की चारदीवारी में बंद रखा जाता है। वे स्वतंत्रतापूर्वक अपने घरों से बाहर भी नहीं जा सकतीं। इन परिस्थितियों में जो भी उनका शोषण करना चाहते हैं उनकी वह सरल आखेट बन जाती हैं...'

वे आगे कहती हैं- 'उसने कभी भी संरक्षित स्थान, अपना अनुपातिक भाग या पृथक निर्वाचन की मांग नहीं की है। जो कुछ भी हमने मांगा है, वह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय है। हमने केवल उस समानता की मांग की है जो कि पारस्परिक सम्मान और समझौते का आधार हो सकती है।'

महिला और परिसीमन बिल के इस शोर-शराबे में हमें उन मूल्यों और मार्गदर्शन को याद करना होगा जो हमारी जीवन शैली का आधार बन सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और राजनीति शास्त्र के शिक्षक हैं।)

ललित सुरजन की कलम से

जेम्स बॉन्ड की राजनीति

'मैं जब जेम्स बॉन्ड की दो दर्जन फिल्मों को निर्माण के क्रम में रखकर देखता हूं तो उनमें विश्व के बदलते हुए राजनैतिक परिदृश्य के संदर्भ जैसे अपने-आप उभरकर सामने आने लगते हैं। 1962 में बनी पहली फिल्म का निर्माण उस समय हुआ था जब शीतयुद्ध अपनी चरमसीमा पर था। इसी साल अमेरिका ने क्यूबा पर 'बे ऑफ पिग्ज़' के आक्रमण की योजना बनाई थी और ऐसे किसी आक्रमण की आशंका को ध्यान में रख सोवियत संघ की नौसेना क्यूबा से लगभग बारह सौ किलोमीटर की दूरी पर तैयार खड़ी थी। ऐसा डर लग रहा था कि कहीं तीसरा विश्व युद्ध न छिड़ जाए, लेकिन कैनेडी और खश्चेव दोनों ने संयम व समझदारी का परिचय दिया और आसन्न संकट समाप्त हो गया। मुझे फिल्मों के शीर्षक उनके निर्माण क्रम में याद नहीं है, लेकिन मोटे तौर पर कह सकता हूं कि शॉन कोनेरी अभिनीत सारी फिल्में शीतयुद्ध की भावभूमि पर ही बनी थी, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन और पश्चिमी खेमा एक तरफ है तथा दुश्मन के रूप में सोवियत संघ सामने है।

(देशबन्धु में 15 नवम्बर 2012 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/11/blog-post_15.html

पावन प्रसंग

अक्षय तृतीया अखंडता का प्रतीक

वैशाख शुक्ल तृतीया आखातीज के रूप में जाना जाता है। वैशाख शुक्ल तृतीया का पावन दिन भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परम्परा में अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह तिथि अक्षय तृतीया अथवा आखातीज के नाम से जानी जाती है। 'अक्षय' का अर्थ है जो कभी क्षीण न हो, जो सदा बना रहे। यही कारण है कि इस दिन किए गए पुण्य, दान, तप और शुभ कार्यों को अक्षय अर्थात अविनाशी फल देने वाला माना गया है। यह तिथि केवल ज्योतिषीय दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। यह दिन अखण्डता, पवित्रता और निरन्तर प्रगति का प्रतीक है।

अक्षय तृतीया का एक विशेष महत्व यह भी है कि यह तिथि कभी खंडित नहीं होती। अन्य तिथियों की भांति इसमें घट-बढ़ नहीं होता, इसलिए इसे स्थिरता और अखण्डता का प्रतीक माना गया है। जीवन में भी यही संदेश निहित है कि जो व्यक्ति अखण्डता और एकरूपता के साथ जीवन जीता है, वही सफलता और संतोष प्राप्त करता है। विभाजित और अस्थिर जीवन व्यक्ति को निरन्तर संघर्ष और असंतोष की ओर ले जाता है, जबकि एकाग्रता और एकता जीवन को श्रेष्ठ बनाती है। चूंकि ग्रीष्म ऋतु होने के कारण मंदिरों में जल भरकर रखा जाता है। सत्तु का भोग लगाया जाता है। ये मौसम आम का होता अत: आम, ठंडा जल, सत्तु का दान किया जाता है। इसी दिन से शादी का मुहुर्त शुरु हो जाता है। गुड्डे-गुड़ियों का विवाह रचाया जाता है। कन्यादान का फल मिलता है।

इस पावन तिथि का गहरा सम्बन्ध जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव से है। भगवान ऋषभदेव ने मानव समाज को जीवन जीने की दिशा प्रदान की। उन्होंने असि, मसि और कृषि के माध्यम से मानव को सभ्यता और संस्कृति का मार्ग दिखाया। उनके द्वारा दी गई शिक्षाएं आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। अक्षय तृतीया का दिन विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन भगवान ऋषभदेव ने अपनी दीर्घकालीन तपस्या का पारण किया था।

भगवान ऋषभदेव की तपस्या अत्यन्त कठोर और अनुकरणीय थी। उन्होंने दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात् अखण्ड मौन और कठोर तप का पालन किया। उस समय समाज को श्रमण जीवन की विधियों का ज्ञान नहीं था, इसलिए उन्हें लंबे समय तक शुद्ध आहार प्राप्त नहीं हो सका। लोग श्रद्धा से उन्हें अनेक प्रकार के उपहार और धन अर्पित करते थे, किन्तु भगवान केवल निर्दोष आहार ही ग्रहण करते थे। परिणामस्वरूप वे निरंतर तप में लीन रहे और एक वर्ष से अधिक समय तक निराहार रहे।

यह स्थिति तब परिवर्तित हुई जब हस्तिनापुर के युवराज श्रेयांस कुमार ने जातिस्मरण ज्ञान के माध्यम से भगवान की आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने पूर्ण श्रद्धा और पवित्र भावना से भगवान को इक्षु रस का दान दिया, जिससे भगवान की तपस्या का पारण सम्पन्न हुआ। यह घटना न केवल भगवान की तपस्या का पूर्णत्व थी, बल्कि संसार में दान की परम्परा का भी प्रारम्भ थी। इस प्रकार अक्षय तृतीया का दिन तप और दान दोनों की महानता का प्रतीक बन गया।

-कांतिलाल मांडोत

आपके पत्र

जल का विस्मरण : आधुनिकता, अहंकार और सूखती हुई धरती

भारत के समकालीन संकटों में जल सबसे अधिक चर्चित है, पर सबसे कम समझा गया भी। सूखा, बाढ़, गिरता भूजल, प्रदूषित नदियां—इन सबको हम अलग-अलग घटनाओं की तरह देखते हैं, जबकि ये एक ही कहानी के अलग-अलग अध्याय हैं। यह कहानी प्राकृतिक आपदा की नहीं, बल्कि मानवीय विस्मृति की है। हमने जल को केवल संसाधन समझ लिया और उसके साथ जुड़ी स्मृति, संस्कार और संवेदना को त्याग दिया।

बांध बनाकर पानी को ज़मीन के ऊपर रोकने का विचार आधुनिक विकास की सबसे बड़ी भ्रांतियों में से एक है। यह व्यवस्था प्रकृति के स्वभाव के विरुद्ध खड़ी की गई है। जल का स्वभाव ठहरना नहीं, उतरना है—धरती की कोख में समाना, वहां से जीवन को पोषित करना। तालाब, जोहड़, कुएं और बावड़ियां इसी स्वभाव की अभिव्यक्ति थे। वे पानी को रोकते नहीं थे, सहेजते थे। यही कारण है कि वे समय-सिद्ध और स्वयं-सिद्ध व्यवस्थाएं थीं, जिन्होंने लाखों वर्षों तक मानव सभ्यता का साथ दिया।

आज हम बांधों को विकास का प्रतीक मानते हैं, जबकि तालाबों को पिछड़ेपन की निशानी समझते हैं। यह दृष्टि का पतन है। एक समय पंजाब में सत्रह हज़ार से अधिक तालाबों का उल्लेख मिलता है। वे केवल जलस्रोत नहीं थे, बल्कि सामुदायिक जीवन के केंद्र थे—पशुओं, खेतों, पक्षियों और मनुष्यों को जोड़ने वाले जीवित स्थल। आज स्थिति यह है कि तालाब तो दूर, पंजाब में शामलात ज़मीनों तक का समुचित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं। जब स्मृति मिटा दी जाती है, तो संकट अपरिहार्य हो जाता है।

हमारे पुरखे जानते थे कि बाढ़ विनाश नहीं, अवसर है। वे जानते थे कि यदि बाढ़ का पानी फैलकर तालाबों, जोहड़ों और मैदानों में उतरे, तो वही पानी धरती को पुनर्जीवित करेगा। इसलिए तालाबों से मिट्टी निकालने की परंपराएं थीं—कोई इसे श्रमदान कहता था, कोई सामाजिक कर्तव्य। तालाब गहरे होते थे, उनकी कोख विस्तृत होती थी और वे वर्षा के अधिकतम जल को आत्मसात कर लेते थे। यह एक ऐसी व्यवस्था थी जिसमें तकनीक नहीं, समझ काम करती थी।

विडंबना यह है कि जिन हाथों ने तालाबों को पाटा, जोहड़ों को भर दिया और कुंओं को कचरे से बंद कर दिया, वही हाथ आज पानी के लिए आसमान की ओर देख रहे हैं। तालाबों को मारने वाले जब स्वयं मरने लगते हैं, तो दोष प्रकृति पर, जलवायु परिवर्तन पर या पूर्वजों पर मढ़ दिया जाता है। आत्मालोचना का साहस अब दुर्लभ होता जा रहा है। यह संकट केवल जल का नहीं, शिक्षा का भी है। मैं अक्सर सोचता हूं कि ठीक से शिक्षित होने का अर्थ क्या है। क्या यह केवल डिग्रियां, आंकड़े और तकनीकी शब्दावली है? नहीं। ठीक से शिक्षित होने का अर्थ है सामवेदी होना—भगवत्ता द्वारा प्रदत्त पूरे इकोसिस्टम से एकात्म होना। जब मनुष्य स्वयं को प्रकृति से अलग मानने लगता है, तब उसका ज्ञान चतुराई बन जाता है और चतुराई अंतत: विनाश की ओर ले जाती है। शेष सब तो बकलोली के ही परिष्कृत रूप हैं।

देश में जल-प्रबंधन की स्थिति का अंदाज़ा इसी एक तथ्य से लगाया जा सकता है कि आज तक ऐसा कोई विस्तृत, विश्वसनीय और समग्र सर्वेक्षण नहीं हो सका है, जिससे यह पता चले कि भारत में वास्तव में कुल जल कितना है। हम योजनाएं बनाते हैं, बजट स्वीकृत करते हैं और घोषणाएं करते हैं—बिना यह जाने कि आधार क्या है? यह नीति नहीं, अनुमान है; और अनुमान पर खड़ा विकास देर-सवेर ढहता ही है।

- डॉ सत्यवान सौरभ

सार-समाचार

स्वच्छ रहे यह शहर हमारा, यही हमारा नारा है, दानवीर श्री गौर की नगरी, सागर शहर हमारा

सागर, देशबन्धु। साहित्य सरस्वती मंच की साप्ताहिक काव्य गोष्ठी का आयोजन तीनबत्ती कार्यालय से वरिष्ठ साहित्यकार पूरन सिंह राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। प्रथम सत्र में फिल्मों मे साहित्य की उपस्थित पर चर्चा हुई। अरूण कुमार दुबे ने बताया कि फिल्मों में साहित्य को उतना महत्व नही मिलता, धुन आधारित गीत रचना साहित्य के साथ न्याय नहीं कर पाती है। विमल रॉय, जेमिनी आदि ने साहित्यक व ऐतिहासिक फिल्म बनाई, तीसरी कसम फिल्म भी साहित्यक प्रयास रहा। सत्तर के दशक के बाद फिल्मों में साहित्य की कमी होती गई जो अब तो विकृत है। साहित्यिक प्रतिभाओ को उचित स्थान न मिलने से वे वापस अपने नगरों को लौट गये। द्वितीय सत्र में मां सरस्वती की सरस वंदना पुष्पेन्द्र दुबे ने सुनाई। शैलेष जड़िया ने दानवीर गौर की नगरी, सागर शहर हमारा है स्वच्छता पर गीत सुनाया। राजेन्द्र चौबे, आनंद मिश्र अकेला, एम शरीफ, महबूब ताज, शिरोमणि जैन, शिखर चंद शिखर, देवकीनंदन रावत, मणिदेव ठाकुर, जीएल छत्रसाल, शैलेन्द्र जड़िया, पुष्पेन्द्र दुबे कुमार सागर, छोटे नबाव, अरूण कुमार दुबे, पूरन सिंह राजपूत ने कवितायें, गजलो का प्रस्तुतीकरण किया। गोष्ठी का सुचारु संचालन डॉ. नलिन निर्मल ने कविता पाठ के साथ किया। श्रोता हेमंत दुबे लंबरदार, गणेश प्रसाद, मो. इमरान आदि पूरे समय उपस्थित रहे। पुष्पेन्द्र दुबे ने आभार वक्तव्य प्रस्तुत किया।

युवक का शव फंदे पर मिला, मोबाइल कॉल डिटेल की जांच होगी

सागर, देशबन्धु। रहली स्थित वार्ड क्र.6 में रविवार सुबह 21 वर्षीय बीकॉम के छात्र ने अपने घर में फदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रहली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामला दर्ज कर लिया है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिये युवक का मोबाइल जब्त कर कॉल डिटेल की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार वार्ड क्र. 6 रहली निवासी यशवंत बेलदार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। यशवंत ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। दूसरे नंबर का बेटा गौरव बेलदार 21 सागर के ऑट्र्स एंड कॉमर्स कॉलेज से बीकॉम सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। शनिवार रात करीब 12 बजे यशवंत घर पर टीवी देख रहे थे और गौरव अपने कमरे में मोबाइल चला रहा था, इसके बाद यशवंत सो गये। रविवार सुबह करीब 5 बजे पत्नी संध्या सोकर उठी। कुछ देर बाद वह कमरे में गई, तो देखा कि गौरव फंदे पर झूल रहा है। पत्नी के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य लोग कमरे में पहुंचे। परिजनों ने फंदे की रस्सी काटकर गौरव को नीचे उतारा और तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर रहली पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। युवक के आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है और उसकी कॉल डिटेल निकाली जा रही है।

वी क्लब रीजन सेवा सम्मान समारोह सिद्धि का आयोजन सम्पन्न

सागर, देशबन्धु। द एसोसिएशन ऑफ वी क्लब्स ऑफ इंडिया, डिस्ट्रिक्ट 323 जी 2 रीजन 2 द्वारा सेवा सम्मान समारोह सिद्धि का आयोजन केसरी सदन, सदर सागर में अत्यंत उत्साह, गरिमा एवं भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना, स्वागत गीत एवं स्वागत नृत्य के साथ हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष एवं रीजनल कोऑर्डिनेटर वी संध्या केसरवानी ने सभा प्रारंभ की घोषणा की। मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट 323 जी 2 की संस्थापक एवं पास्ट डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट वी डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि महिला स्वयं में सर्वशक्तिमान है और उसे अपनी शक्ति को पहचानते हुये समाज व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिये। उन्होंने संगठन के उद्देश्य जरूरतमंद की सेवा को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि पास्ट डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट वी डॉ. नम्रता फुस्केले ने सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिये बधाई दी। सत्र 2026-27 की अध्यक्ष वी विनिता केशरवानी ने सभी क्लबों को बधाई देते हुये भविष्य में सहयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम में रीजन के अंतर्गत वी क्लब सागर गोल्ड, सागर प्रगति, सागर गरिमा एवं सागर स्पेशल क्लब को उनकी उत्कृष्ट सेवा गतिविधियों के आधार पर सम्मानित किया। डॉ. वंदना गुप्ता को संगठन विस्तार के लिये क्लब एक्सटेंशन अवार्ड एवं पर्यावरण संरक्षण तथा वैचारिक स्वच्छता अभियान के लिये सर्वोत्कृष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया गया। विनीता केशरवानी को अन्नदान के लिये बेस्ट अवार्ड दिया। प्रेसिडेंट श्रेणी में कंचन केसरवानी सागर गोल्ड को एक्सीलेंट प्रेसिडेंट अवार्ड, शशि साहू सागर प्रगति को आउटस्टैंडिंग प्रेसिडेंट अवार्ड, सविता साहू सागर गरिमा एवं सपना सिंह स्पेशल क्लब को बेस्ट प्रेसिडेंट अवार्ड से सम्मानित किया। सचिव वर्ग में कंचन गुप्ता सागर प्रगति एवं पूनम मेवाती वी क्लब गोल्ड को उत्कृष्ट सचिव, नमिता सिंह स्पेशल क्लब को सर्वश्रेष्ठ सचिव तथा डॉ. कृष्णा गुप्ता सागर गरिमा को श्रेष्ठ सचिव अवार्ड प्रदान किया। कोषाध्यक्ष श्रेणी में पूनम गुप्ता स्पेशल क्लब को उत्कृष्ट, उमाकांति सागर प्रगति को सर्वोत्कृष्ट, लक्ष्मी केसरवानी सागर गोल्ड को सर्वश्रेष्ठ एवं अर्चना पाराशर सागर गरिमा को श्रेष्ठ कोषाध्यक्ष अवार्ड से नवाजा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में रुक्मणी केसरवानी द्वारा सरस्वती वंदना एवं गौरी केसरवानी द्वारा स्वागत नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। आकर्षक वेशभूषा प्रतियोगिता में रोहिणी साहू सागर प्रगति विजेता रही। सर्वाधिक रजिस्ट्रेशन एवं स्क्रैपबुक प्रतियोगिता में सागर प्रगति क्लब ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बैनर प्रेजेंटेशन में सागर गोल्ड क्लब प्रथम रहा। सफल मंच संचालन के लिये माया केसरवानी को सम्मानित किया गया। अंत में शशि साहू द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

गर्मियों में पक्षियों को दाना पानी देने का प्रयास अवश्य करें: पूरन सिंह

सागर, देशबन्धु। आप सभी को अक्षय तृतीया की शुभकामनायें देता हूं, इस दिन को शुभ मुहूर्त की मान्यता प्राप्त है, अत: लाखों वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न होते हैं। कृपया ध्यान दीजियेगा कि कहीं आसपास बाल विवाह न हो पायें सजग रहें, प्रशासन को सूचित करें। स्व. पं. मणीकांत चौबे की स्मृतियों को श्रद्धानवत नमन करते हुये उनकी परंपरा का पालन करते हुये कहता हूं कि गर्मियों की लू से अपना बचाव करते रहें, गर्मियों में पक्षियों को दाना पानी देने का प्रयास कीजियेगा। बंधुओं निजी स्वार्थों में लिप्त कुछ देशों के राष्ट्रीय राष्ट्राध्यक्ष घातक मार्ग प्रक्षेपास्त्राओं का प्रयोग कर युद्धरत हैं जिससे जन और धन दोनों की हानी हो रही है, यह युद्ध विश्व युद्ध की कगार पर भी पहुंच सकता है। युद्ध मानवता के लिए ठीक नहीं है, युद्ध मानव विकास को वर्षों पीछे धकेल देता है। इसका हल शांति वार्ता है पर वह असफल रही। हम विश्व कल्याण और विश्व शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि शीघ्र युद्ध समाप्त हो। यह बात सागर से पूरन सिंह राजपूत ने कही, वह बुंदेलखंड हिंदी साहित्य संस्कृति विकास मंच सागर की शनिवार को आयोजित साप्ताहिक 1631 वीं संगोष्ठी और ऑनलाइन 309 वीं संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। रायसेन से चित्रा चतुर्वेदी ने काव्य पाठ करते हुये संगोष्ठी का संचालन किया। सागर से मणिदेव ठाकुर ने भक्तिभाव से मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। रीवा से डॉ. बारेलाल जैन लाल ने समस्त साहित्य मनीषियों का स्वागत करते हुये कहा कि इस मंच से जुड़ी अनेक विभूतियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से इस पटल को पहचान के साथ-साथ श्रेष्ठता प्रदान की है। निश्चित रूप से यह पटल आज उसी धारा के समान प्रवाहित हो रही है जिसमें आचमन करने पर हमें अपने जीवन का कोई न कोई युद्ध अवश्य मिलता है। आज यह मंच राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान रखता है। सागर से मणिदेव ठाकुर ने समस्त उपस्थितों का आभार भी व्यक्त किया। गोष्ठी में काव्य पाठ हेतु बड़ा मलहरा से डॉ. देवदत्त द्विवेदी सरस, रीवा से प्रतिभा दुबे आश्वी, पृथ्वीपुर से रविशंकर बिलगैंया, कल्याण दास साहू पोषक, निवाड़ी से डॉ. रामनिवास तिवारी आशुकवि, दमोह से डॉ. प्रेमलता नीलम, जबलपुर से तरूणा खरे, सागर डॉ. सीताराम श्रीवास्तव भावुक, डॉ. श्याम मनोहर सिरोठिया, डॉ. नलिन निर्मल जैन एवं संतोष श्रीवास्तव विद्यार्थी ने काव्यपाठ किया। संगोष्ठी में एलएन चौरसिया, एड केके सिलाकारी, पं. शुकदेव तिवारी, वीरेंद्र त्रिपाठी, कृष्णकांत बख्शी, अजय सराफ, उमाकांत मिश्र श्यामलम आदि उपस्थित रहे और कवियों का उत्साह वर्धन किया।

खाना देरी से मिलने पर ग्राहकों ने रेस्टोरेंट संचालक को पीटा, दो पर केस दर्ज

खुरई, देशबन्धु। खाना देरी से मिलने पर ग्राहकों ने रविवार को एक रेस्टोरेंट संचालक से मारपीट की। घटना रविवार दोपहर 1 बजे की है। पीड़ित संचालक ने पुलिस में मामला दर्ज कराया है। मारपीट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। रेस्टोरेंट संचालक अनिल मोदक 45 ने बताया कि वह सागर नाका चौराहे के पास अपना रेस्टोरेंट चलाते हैं। कुछ ग्राहक खाना खाने आये और उन्होंने ऑर्डर दिया। मोदक के अनुसार खाना समय पर न मिलने पर ग्राहकों ने गाली गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने ग्राहकों को रोका, तो उन्होंने उनके साथ मारपीट की, जिससे उनके सिर में चोट आई। खुरई शहरी थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह दांगी ने जानकारी दी कि अनिल मोदक की शिकायत पर राजा यादव और राजू विश्वकर्मा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

गरुड़ा फिजिकल अकादमी ने एमपी पुलिस भर्ती में बनाये नये रिकॉर्ड

सागर, देशबन्धु। मप्र पुलिस भर्ती में इस वर्ष सागर जिले से सर्वाधिक चयन देकर गरुड़ा फिजिकल अकादमी ने एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता साबित की है। अकादमी के प्रशिक्षक, पूर्व सैनिक नायब सूबेदार राम प्रकाश तोमर के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये बड़ी संख्या में चयन प्राप्त किया। अकादमी द्वारा दी जाने वाली उच्च स्तरीय फिजिकल ट्रेनिंग, अनुशासन और सही दिशा निर्देशन ही इस सफलता का मुख्य कारण है। विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी प्रतियोगी परीक्षा, विशेषकर पुलिस भर्ती में सफलता के लिये एक अनुभवी और योग्य फिजिकल ट्रेनर का होना अत्यंत आवश्यक है। आगामी मप्र पुलिस भर्ती को ध्यान में रखते हुये, गरुड़ा फिजिकल अकादमी विद्यार्थियों को बेहतर परिणाम और चयन दिलाने के लिये पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सागर एवं आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिये यह अकादमी एक बेहतरीन विकल्प बनकर उभरी है, जहां उन्हें सही मार्गदर्शन और उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है।

पिकअप ने बाइक सवार को मारी टक्कर, एक पैर कटा, गंभीर हालत में भोपाल रेफर

बीना, देशबन्धु। खिमलासा क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मालवाहक वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बरोदिया कलां थाना क्षेत्र के मालथौन निवासी धनराज लोधी 35 बाइक से खिमलासा से बरोदिया कलां जा रहे थे। इसी दौरान खिमलासा के मालथौन रोड पर गैस एजेंसी के पास तेज रफ्तार मालवाहक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि धनराज का एक पैर कटकर अलग हो गया। टक्कर के बाद मालवाहक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक राजेश्वर यादव और पायलट देवेंद्र सिंह राजपूत की मदद से घायल को बीना सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुये उसे भोपाल रेफर कर दिया गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 22 को

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के पूर्व चिकित्सा अधिकारी ब्र. डॉ. सोमेश्वर नाथ शुक्ला एवं ब्र. शांति देवी शुक्ला की स्मृति में 152 वां नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 22 अप्रैल बुधवार समय 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयुर्वेद एवं निदान सहित मधुमेह एवं श्वास व हड्डी रोग पर नि: शुल्क रक्त शर्करा, बॉडी मांस द्वारा मांस पेशियों की जांच तथा योग प्रशिक्षण का आयोजन शिवोम् सोम शांति चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र 5 सिविल लाइन सागर में किया गया है। इच्छुक व्यक्ति 21 अप्रैल तक डॉ. राजेश शुक्ला से संपर्क कर सकते हैं एवं इस शिविर का नि:शुल्क लाभ ले सकते हैं।

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO - 4583245N RANK NK/W/M NAME THAKOR SHAMBHUJI BACHUJI SERVING IN 3 MAHAR C/O 56 APO HOME ADDRESS AT VATAM JUNA, VATAM JUNA, PO: VATATN-JUNA, DIST: BANASKANTHA, GUJARAT - 385330, HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME FROM DIPALIBEN TO DIPALIBEN SHAMBHUJI THAKOR VIDE AFFIDAVIT DATED 20/04/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

CHANGE OF NAME

I, JAMNA BEN IS LEGALLY WEDDED SPOUSE OF ARMY NO - 4583245N RANK NK/W/M NAME THAKOR SHAMBHUJI BACHUJI SERVING IN 3 MAHAR C/O 56 APO HOME ADDRESS AT VATAM JUNA, VATAM JUNA, PO: VATATN-JUNA, DIST: BANASKANTHA, GUJARAT - 385330, HAVE CHANGED MY NAME FROM JAMNA BEN TO JAMNABEN SHAMBHUJI THAKOR VIDE AFFIDAVIT DATED 20/04/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO - 4583245N RANK NK/W/M NAME THAKOR SHAMBHUJI BACHUJI SERVING IN 3 MAHAR C/O 56 APO HOME ADDRESS AT VATAM JUNA, VATAMI JUNA, PO: VATATN-JUNA, DIST: BANASKANTHA, GUJARAT - 385330, HAVE CHANGED MY SON NAME FROM DHAVAL KUMAR TO DHAVALKUMAR SHAMBHUJI THAKOR VIDE AFFIDAVIT DATED 20/04/2026 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P.

भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव की पूर्व संध्या पर वाहन रैली का भाजपा ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

सागर, देशबन्धु। भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव की पूर्व संध्या पर शहर में निकाली गई वाहन रैली का भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर रैली पर पुष्पवर्षा कर श्रद्धा और उत्साह के साथ अभिनंदन किया। वाहन रैली में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी विशेष रूप से शामिल हुये। उन्होंने रैली में उपस्थित धर्मावलंबियों का उत्साहवर्धन करते हुये समस्त जिला वासियों को भगवान परशुराम के प्राकट्योत्सव की शुभकामनायें दीं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भगवान परशुराम त्याग, तप एवं धर्म रक्षा के प्रतीक हैं। उनका जीवन समाज को सत्य एवं न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त बनाने का कार्य करते हैं। बताशा गली के बाहर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन, मनीष चौबे अंशुल हर्षे, शिवा यादव, नीलेश जैन, चंचल विश्वकर्मा सहित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने वाहन रैली पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया।

ऊँ जमदग्न्याय विद्महे महावीराय धीमहि। तन्नः परशुरामः प्रचोदयात् धर्म, पराक्रम और नवचेतना के अग्रदूत: भगवान परशुराम

सागर, देशबन्धु। भारतीय सनातन संस्कृति के विराट और दिव्य इतिहास में भगवान परशुराम का व्यक्तित्व अद्वितीय, तेजस्वी और बहुआयामी स्वरूप में प्रतिष्ठित है। वे केवल एक अप्रतिम योद्धा नहीं, बल्कि धर्म, सत्य, तप, संयम, त्याग और न्याय के साक्षात् जीवंत प्रतीक हैं। उनके जीवन का प्रत्येक प्रसंग केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना और समाज में संतुलन की पुन:स्थापना का एक दिव्य प्रयत्न है। अत: उनके चरित्र को केवल उनके पराक्रम की कथाओं तक सीमित कर देना उनके व्यापक जीवन दर्शन के साथ अन्याय होगा। वस्तुत: भगवान परशुराम उस दिव्य चेतना के प्रतीक हैं, जो अन्याय के अंधकार में धर्म की अखंड ज्योति प्रज्वलित करती है। पुराणों के अनुसार भगवान परशुराम का अवतरण त्रेता युग में वैशाख शुक्ल तृतीया अर्थात् अक्षय तृतीया के पावन दिवस पर हुआ। एक ऐसी तिथि जो अनंत शुभता और अक्षय पुण्य का प्रतीक मानी जाती है। उनके पिता महर्षि जमदग्नि महान तपस्वी, वेदज्ञ और ऋषि परंपरा के गौरव थे, जबकि माता देवी रेणुका पतिव्रता, साध्वी और आदर्श नारीत्व की मूर्ति थीं। ऐसे दिव्य कुल में जन्म लेने के कारण उनके जीवन की आधारशिला बचपन से ही तप, अनुशासन, ब्रह्मचर्य, ज्ञान और धर्म के उच्च संस्कारों से निर्मित हुई। उन्होंने अल्पायु में ही वेद, शास्त्र, अस्त्र-शस्त्र और योग साधना में अद्वितीय दक्षता प्राप्त कर ली थी।

भगवान परशुराम के हाथ में धारण किया गया परशु फरसा केवल एक युद्धास्त्र नहीं था, बल्कि वह धर्म संरक्षण, अन्याय के विनाश और सत्य की प्रतिष्ठा का प्रतीक था। उनके प्रत्येक अभियान के पीछे व्यक्तिगत प्रतिशोध या अहंकार नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त अत्याचार, अनाचार और अधर्म के उन्मूलन की उच्च भावना निहित थी। जब-जब पृथ्वी पर अन्याय और अत्याचार अपनी सीमा लांघता गया, तब-तब उन्होंने साहस, संकल्प और धर्मनिष्ठा के साथ उसका प्रतिकार किया। उनका जीवन यह उद्घोष करता है कि सहनशीलता कायरता नहीं होती, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए समय आने पर साहसपूर्वक खड़ा होना ही सच्चा पुरुषार्थ है और यही भाव उस मंत्र में भी निहित है: तन्न: परशुराम: प्रचोदयात् अर्थात् वे हमें सदैव धर्म के मार्ग पर प्रेरित करें। परशुराम जी का व्यक्तित्व केवल रणभूमि तक सीमित नहीं था, बल्कि वे ज्ञानभूमि के भी अप्रतिम आचार्य थे। उन्होंने भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महान योद्धाओं को शस्त्रविद्या का ज्ञान प्रदान कर यह सिद्ध किया कि वास्तविक शक्ति केवल बाहुबल में नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और चरित्र में निहित होती है। उनके व्यक्तित्व में शस्त्र और शास्त्र का अद्भुत संतुलन दृष्टिगोचर होता है जहां एक ओर वे धर्म की रक्षा के लिये कठोर हैं, वहीं दूसरी ओर ज्ञान और मर्यादा के संवाहक भी हैं।

भगवान परशुराम का जीवन तप और त्याग की सर्वोच्च परंपरा का परिचायक है। उन्होंने व्यक्तिगत सुख सुविधाओं का त्याग कर लोककल्याण को सर्वोपरि रखा। वे उन महापुरुषों में से हैं जिन्होंने यह सिद्ध किया कि महानता केवल शक्ति या अधिकार से नहीं, बल्कि संयम, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा से प्राप्त होती है। वर्तमान युग, जो भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और नैतिक द्वंद्वों से भरा हुआ है, उसमें भगवान परशुराम का जीवन विशेष रूप से प्रासंगिक हो उठता है। आज जब सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों पर निरंतर आघात हो रहा है, तब उनका जीवन हमें अनेक महत्वपूर्ण शिक्षायें प्रदान करता है। आत्मबल और संयम का महत्व हमें सिखाता है कि शक्ति तभी कल्याणकारी बनती है जब वह अनुशासन के अधीन हो। अन्याय के प्रति सजगता यह संदेश देती है कि मौन रहना भी अधर्म का समर्थन हो सकता है। संस्कारों का संरक्षण हमें सभ्यता की जड़ों से जोड़े रखता है और ज्ञान चरित्र का संतुलन यह सुनिश्चित करता है कि प्रगति मानवता के हित में हो। भगवान परशुराम का संपूर्ण जीवन इस महान सत्य का उद्घोष करता है कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल सैन्य या आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि धर्म, न्याय, संस्कार और चरित्र की दृढ़ नींव पर होता है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति सत्य का पालन करता है, धर्म के प्रति निष्ठावान रहता है और अन्याय के विरुद्ध खड़ा होता है, तभी एक आदर्श राष्ट्र का निर्माण संभव होता है। भगवान परशुराम का प्राकट्य उत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्ममंथन, आत्मशुद्धि और नवसंकल्प का दिव्य अवसर है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने भीतर की दुर्बलताओं का त्याग करें और एक सशक्त, सजग एवं संस्कारित व्यक्तित्व का निर्माण करें। आइये, इस पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि अपने जीवन में सत्य, धर्म और न्याय को प्रतिष्ठित करेंगे, अपने संस्कारों और संस्कृति का संरक्षण करेंगे तथा एक ऐसे समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंगे जहां मानवता, सदाचार और संस्कृति का प्रकाश सदैव उज्ज्वल बना रहे।

-लेखक: पं. आरंभ शुक्ला

पद्मश्री भगवानदास रायकवार को राजकीय सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

सागर, देशबन्धु। पद्मश्री भगवानदास रायकवार का भोपाल में इलाज के दौरान शनिवार को निधन हो गया। निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को सागर लाया गया। रविवार को सागर में अंतिम यात्रा निकाली गई। उनकी अंतिम यात्रा सागर के रामपुरा स्थित छत्रसाल अखाड़ा से शुरू हुई। यात्रा में बुंदेलखंड के अखाड़े शामिल हुये। अखाड़ों में कलाकारों ने करतब दिखाये। रास्तेभर लोगों की भीड़ उमड़ती चली गई। शिष्यों, समर्थकों और आम नागरिकों ने नम आंखों से दाऊ भगवानदास रायकवार को विदाई दी। अंतिम यात्रा नरयावली नाका स्थित मुक्तिधाम पहुंची। जहां राजकीय सम्मान गार्ड ऑफ ऑनर के साथ वे पंचतत्व में विलीन हुये। इस दौरान एक भावुक दृश्य तब देखने को मिला। जब उनके बेटे सहित शिष्यों ने अपने गुरु को श्रद्धांजलि देने के लिये पारंपरिक बुंदेली अखाड़ा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया। लेजम और लाठी के साथ किये गये, इस प्रदर्शन ने सभी को भावुक कर दिया। यह वही कला थी, जिसे भगवानदास रायकवार ने जीवन भर सहेजा और नई पीढ़ी तक पहुंचाया। इसी कला में उन्हें पद्मश्री सम्मान मिला है। अंतिम संस्कार में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और शहर के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुये।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोकनिर्माण विभाग, संभाग क्रमांक-1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 03/वा.ले.लि./2026-27 बालाघाट, दिनांक 15.04.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं. क्र.	टेण्डर क्रं.	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य अवधि	कार्य पूर्ण करने की
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_ 500661	बालाघाट	विशेष मजबूतीकरण कार्य 1. गर्रा पिपरिया मार्ग लम्बाई 2.20 कि.मी. 2. सेलवटपार टुईयापार मार्ग लम्बाई 2.00 कि.मी. 3. ब्राम्हनटोली डोके काथूरना मार्ग लम्बाई 4.00 कि.मी. 4.कोथुरना गोंडीटोला मार्ग लम्बाई 1.00 कि.मी. 5. आरंभा बकोड़ी मार्ग लम्बाई 1.40 कि.मी. 6. आगरी जर्राहमोहगांव मार्ग लम्बाइ 2.40 कि.मी. कुल लम्बाई 13.00 कि.मी.	पांचवा आमंत्रण	249.13	249200.00	15000.00	03 माह वर्षा ऋतु सहित
				कुल योग	249.13			

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 28/04/2026 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

जी-11767/26

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

सार समाचार

टैलेंट हंट में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

सिरोंज, देशबन्धु। संस्कार ग्रीन वैली स्कूल द्वारा रविवार को संस्कार गार्डन फेज-1 में प्रातः 8:30 बजे से 11:30 बजे तक टैलेंट हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में डांस एवं ड्राइंग वर्ग में सर्वाधिक प्रतिभागी रहे। टैलेंट हंट के अंतर्गत जूनियर एवं सीनियर डांस, फैशन शो, सिंगिंग, ड्राइंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, हिन्दी एवं अंग्रेजी लेखन तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी निबंध लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास एवं उत्साह के साथ अपनी कला का प्रदर्शन किया। डांस प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया, वहीं ड्राइंग एवं आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिताओं में बच्चों की रचनात्मकता और कल्पनाशीलता देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नगर मंडल के महामंत्री सुमंत कुमार मित्तल तथा विशिष्ट अतिथि अग्रवाल महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष रानी मित्तल उपस्थित रहीं। अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उत्साह, प्रतिभा एवं आत्मविश्वास की सराहना की।

धूमधाम से मना परशुराम प्राकट्य महोत्सव, नगर में गूंजे वैदिक मंत्र

अभिषेक, यज्ञ, शोभायात्रा और भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

टीकमगढ़ , देशबन्धु। शहर में रविवार को भगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। महेंद्र सागर तालाब स्थित परशुराम मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

प्रात:काल भगवान परशुराम की प्रतिमा का विधि-विधान से अभिषेक और पूजन किया गया। इसके बाद अग्निहोत्री यज्ञ एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रों के बीच आहुतियां अर्पित कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। यज्ञ पूर्ण होने के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

महेंद्र सागर तालाब स्थित मंदिर में भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। वहीं शहर की ब्राह्मण कॉलोनी स्थित जागेश्वर धाम मंदिर में भी भगवान परशुराम की प्रतिमा का अभिषेक और पूजन हुआ। नूतन विहार कॉलोनी में पिछले वर्ष स्थापित अष्टधातु

की प्रतिमा का भी कॉलोनीवासियों ने विधिपूर्वक अभिषेक कर महाआरती उतारी।

भगवान परशुराम जन्म महोत्सव आयोजन समिति के तत्वावधान में शाम 5 बजे प्राचीन नजरबाग मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए महेंद्र सागर तालाब स्थित प्रतापेश्वर मंदिर पहुंची, जहां महाआरती के साथ समापन हुआ और भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में भावना मिश्रा, नीतू द्विवेदी, शिवानी खेवाड़िया, कल्पना शर्मा, कौशल किशोर भट्ट, बद्री देवरिया, विशाल अध्वर्यु, राजेंद्र मिश्रा, कमलेश बिलगैया, संतोष पाठक, विजय पस्तोर, मनोज नायक, अरविंद केवड़िया, आशुतोष भट्ट, भावना सरवैया, अखिल नायक, आनंद पालेकर, सुनील त्रिपाठी, लक्ष्मी चतुर्वेदी, रामाकांत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नरवाई में भड़की आग, पुलिस और ग्रामीणों की सतर्कता से टला हादसा

दिगौड़ा, देशबन्धु। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम नादिया में शनिवार दोपहर खेतों की नरवाई में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। तेज गर्मी और सूखी नरवाई के कारण आग तेजी से फैलने लगी, लेकिन समय रहते पुलिस और ग्रामीणों की सक्रियता से बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम नादिया के खेतों में दोपहर के समय अचानक नरवाई में आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने आसपास के हिस्से को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। खेतों से उठता धुआं और लपटें देखकर आसपास के किसान तुरंत मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

स्थानीय किसान अमरचंद प्रजापति ने तत्काल दिगौड़ा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना दिगौड़ा से प्रधान आरक्षक अनिल रिछारिया, आरक्षक अजीत सिंह और पायलट शैलेंद्र सागर मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

काफी देर की मेहनत के बाद आग को फैलने से रोक लिया गया। साथ ही फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। इस घटना में खेतों में खड़ी नरवाई जलकर राख हो गई, हालांकि पुलिस के अनुसार कोई बड़ा आर्थिक नुकसान नहीं हुआ और समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया गया।

पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों की सतर्कता और त्वरित सूचना के कारण एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

गर्मी के मौसम में खेतों में इस प्रकार की घटनाओं को देखते हुए किसानों से विशेष सावधानी बरतने की अपील भी की गई है।

तौल से भुगतान तक हर व्यवस्था पर कलेक्टर की पैनी नजर

कृषि उपज मंडी में गेहूं खरीदी प्रक्रिया की हुई समीक्षा

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने शनिवार को कृषि उपज मंडी परिसर में स्थापित गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को गेहूं विक्रय में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और पूरी खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित की जाए।

कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र पर तौल व्यवस्था, गेहूं की गुणवत्ता जांच, बारदानों की उपलब्धता, परिवहन, भंडारण और भुगतान प्रक्रिया की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदी शासन की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निर्धारित मानकों के अनुसार ही उपार्जन किया जाए और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केंद्र पर मौजूद किसानों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने तौल, भुगतान और सुविधाओं से जुड़ी बातें रखीं, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्या का समाधान प्राथमिकता से होना चाहिए।

इसके साथ ही कलेक्टर ने उपार्जन केंद्र पर साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था और छाया जैसी मूलभूत सुविधाएं बेहतर रखने के निर्देश भी दिए, ताकि किसानों को गर्मी के मौसम में अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम संस्कृति मुदित लटौरिया सहित संबंधित अधिकारी और मंडी कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि गेहूं खरीदी प्रक्रिया को सुचारु और किसान हितैषी बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी रखी जाएगी।

स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत महाराजपुरा में चला विशेष नाली सफाई अभियान

टीकमगढ़ , देशबन्धु। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदौरिया ने स्वच्छता सर्वेक्षण एवं नाली सफाई अभियान 2026 के अंतर्गत नगर के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 7 स्थित महाराजपुरा क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत लगभग 4 सौ मीटर लंबी नालियों की साफ-सफाई कराई गई, जिससे क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ। लंबे समय से जाम और गंदगी की समस्या से जूझ रहे नागरिकों को इस सफाई अभियान से राहत मिली है। नालियों की नियमित सफाई से गंदे पानी के जमाव, मच्छरों की बढ़ती संख्या और संक्रमण फैलने की आशंका भी कम होगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने मौके पर मौजूद नागरिकों एवं व्यापारियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने दुकानदारों और हाथ ठेला संचालकों को विशेष रूप से समझाइश दी कि वे कचरा इधर-उधर न फैलाएं और केवल डस्टबिन में ही डालें। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखने में आमजन की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। यदि सभी लोग अपने आसपास साफ-सफाई का ध्यान रखें, तो शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर स्थान दिलाया जा सकता है।

भ्रमण के दौरान सफाई प्रभारी राकेश बाल्मीक, पार्क प्रभारी राहुल साहू सहित सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर पालिका द्वारा आगे भी विभिन्न वार्डों में इसी प्रकार विशेष सफाई अभियान जारी रखने की बात कही गई है।

शराब दुकानों पर ज्यादा वसूली के आरोप

विदिशा, देशबन्धु। ग्यारसपुर में संचालित दोनों शराब दुकानों पर शराब शौकीनों से निर्धारित एमआरपी और एमएसपी रेट से अधिक कीमत वसूले जाने का मामला सामने आया है। लोगों का आरोप है कि दुकानदार खुलेआम नियमों की अनदेखी कर रहे हैं और प्रत्येक क्वार्टर पर करीब 20 रुपए की अतिरिक्त वसूली की जा रही है। इससे आम ग्राहकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिख रही है। ग्राहकों का कहना है शराब दुकान नीलामी के बाद नए ठेकेदार द्वारा मनमानी की जा रही है। दुकानों पर रेट लिस्ट चसपा होना चाहिए जिससे ग्राहकों को अतिरिक्त पैसा ना देना पड़े अधिक पैसे लेने पर सवाल उठाया जाता है तो उन्हें टाल दिया जाता है या बहाने बनाए जाते हैं। इससे साफ है कि दुकानों पर नियमों का पालन नहीं हो रहा और प्रशासन की निगरानी भी कमजोर नजर आ रही है। आबकारी अधिकारी शरद पाठक से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

जवाहर चौराहे पर रोजाना जाम, नागरिक बोले-अब तो व्यवस्था सुधारो

टीकमगढ़, देशबन्धु। शहर का सबसे व्यस्त और प्रमुख क्षेत्र माने जाने वाला जवाहर चौराहा इन दिनों जाम का स्थायी अड्डा बनता जा रहा है। सुबह से लेकर शाम तक यहां वाहनों की लंबी कतारें आम बात हो गई हैं। स्कूल, दफ्तर और बाजार की भीड़ जब एक साथ सड़कों पर उतरती है, तो पूरा चौराहा जाम की गिरफ्त में आ जाता है। राहगीरों को मिनटों का सफर घंटों में तय करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या की सबसे बड़ी वजह सड़क किनारे बढ़ता अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग और ट्रैफिक व्यवस्था की पूरी तरह नाकामी है। चौराहे के आसपास दुकानदारों, ठेला संचालकों और अस्थायी कारोबारियों ने सड़क तक कब्जा जमा लिया है, जिससे रास्ता लगातार संकरा होता जा रहा है। ऊपर से कई वाहन चालक बीच सड़क पर ही बाइक और कार खड़ी कर देते हैं, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जाम के समय ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी लगभग नदारद रहती है। न तो यातायात को नियंत्रित करने वाला कोई दिखाई देता है और न ही कोई स्थायी व्यवस्था नजर आती है। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, नौकरीपेशा लोग और यहां तक कि एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाएं भी इस जाम में फंसकर रह जाती हैं। कई बार मरीजों को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा पाता, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जवाहर चौराहे पर नियमित ट्रैफिक व्यवस्था लागू की जाए, अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और पार्किंग के लिए अलग से उचित स्थान तय किया जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी, तो यह चौराहा शहर की सबसे बड़ी यातायात समस्या बन जाएगा।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड में 97 प्रतिशत अंक लाने पर वंशिका का सम्मान

आष्टा, देशबन्धु। सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा के घोषित हुए परिणामों में सीबीएसई देहली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा वंशिका सेठिया ने 97 प्रतिशत अंक लाकर नगर को गौरान्वित किया। विधायक गोपलसिंह इंजीनियर ने प्रतिभाशाली बेटी वंशिका सेठिया का स्वागत, सम्मान कर अपनी ओर से सम्मान निधि भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। चर्चा के दौरान बेटी ने विधायक गोपलसिंह इंजीनियर को अपने भविष्य के लक्ष्य से अवगत कराया। बेटी की इस बड़ी उपलब्धि को लेकर विधायक ने वंशिका के माता पिता रितेश-कामना सेठिया को भी शुभकामनाएं दी एवं बिटिया वंशिका के उज्जवल भविष्य की कामना की ।

मंत्रोच्चार, पूजा और आरती से सराबोर हुआ गांव

श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ श्री कल्याण मंदिर विधान

टीकमगढ़, देशबन्धु। बड़ागांव धसान के निकटवर्ती ग्राम लार में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर श्री कल्याण मंदिर विधान का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन परम पूज्य पट्टाचार्य 108 आचार्य विशुद्ध सागर के मंगल आशीर्वाद से आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: भगवान की प्रतिमा के अभिषेक, शांतिधारा और पूजन के साथ हुई। इसके बाद श्री कल्याण मंदिर विधान का संगीतमय वाचन पंडित कमल कुमार शास्त्री एवं सुधांशु जैन के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति संगीत के बीच श्रद्धालुओं ने पूरे भाव से विधान में सहभागिता निभाई।

कल्याण मंदिर विधान दिगंबर जैन समाज का एक प्रमुख 44 अर्घ्य अखंड महामंडल विधान है, जो भगवान पार्श्वनाथ को समर्पित माना जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज और परिवार में सुख, शांति और कल्याण की प्राप्ति है। यह विधान कुमुदचंद्र आचार्य द्वारा रचित 44 स्तोत्रों पर आधारित है, जिसका समापन विशेष पूजा, अर्घ्य और मंगल आरती के साथ किया जाता है।

इस धार्मिक आयोजन में सूर्य प्रकाश मिश्रा, अरविंद्र सिंह बुंदेला, वीरेंद्र सापोन, महेश भगवा, राजेश जैन, महेंद्र जैन, विजय जैन, दिनेश जैन, पुष्पेंद्र सिंघई, सौरभ जैन, प्रदीप जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन ने ग्राम लार को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

आकर्षक झांकी के साथ निकाला चल समारोह

आष्टा, देशबन्धु। अखंड ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जयंती एवं परिणय महोत्सव के अवसर पर नगर में भव्य एवं आकर्षक चल समारोह का आयोजन श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ किया गया। चल समारोह का शुभारंभ मानस भवन से बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों एवं धार्मिक जयघोष के साथ हुआ। भगवान परशुराम की सुसज्जित झांकी रथ पर विराजमान रही, जो पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण बनी। परिणय महोत्सव के अंतर्गत 6 वर-वधु जोड़ों को सुसज्जित रथ एवं बग्गियों में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। यह चल समारोह मानस भवन से प्रारंभ होकर बुधवारा, बड़ा बाजार, सिकंदर बाजार सहित नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरा, जहां जगह-जगह नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। सकल हिंदू समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा, शुभम कुशवाहा, चेतन डोंगरे, वरिष्ठ समाजसेवी सतीश नोवेल्टी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. विनीत त्रिवेदी आदि स्वागत किया।

, शास्त्री स्कूल प्रमुख पं. प्रेम नारायण शर्मा एवं समस्त ब्राह्मण समाजजनों का भगवान श्रीराम नाम अंकित दुपट्टा पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर सम्मान किया।

घर पहुंच सेवा बंद होने के बाद भी वसूल रहे पूरा शुल्क

गिरिराज गैस एजेंसी पर उठे सवाल

टीकमगढ़, देशबन्धु। शहर में घरेलू गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत ने आम लोगों की रसोई व्यवस्था बिगाड़ दी है। गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें, होम डिलीवरी सेवा बंद, उपभोक्ताओं से डिलीवरी चार्ज की वसूली और घरेलू सिलेंडरों की कथित कालाबाजारी ने पूरे मामले को गंभीर बना दिया है। सवाल यह है कि जब उपभोक्ता खुद एजेंसी से सिलेंडर ढो रहे हैं, तो आखिर होम डिलीवरी का पैसा किस बात का लिया जा रहा है?

एजेंसियों पर लंबी कतारें, जनता बेहाल

रविवार को शहर की प्रमुख गैस एजेंसियों—गिरिराज, अमन और निर्मल गैस एजेंसी—पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं, बुजुर्ग और कामकाजी लोग खाली सिलेंडर लेकर घंटों लाइन में खड़े रहे। कई लोगों ने बताया कि पिछले कई दिनों से गैस की नियमित आपूर्ति नहीं

हो रही, जिससे घरों की रसोई प्रभावित हो रही है।

सबसे अधिक शिकायत सिविल लाइन रोड स्थित गिरिराज गैस एजेंसी को लेकर सामने आई है, जहां होम डिलीवरी सेवा लगभग बंद बताई जा रही है।

होम डिलीवरी बंद, फिर चार्ज किस बात का?

उपभोक्ताओं का सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब गैस एजेंसी द्वारा घर तक सिलेंडर पहुंचाने की सुविधा बंद कर दी गई है, तो फिर होम डिलीवरी शुल्क आखिर क्यों वसूला जा रहा है। लोग खुद एजेंसी पहुंचकर सिलेंडर ले रहे हैं, वाहन का खर्च अलग उठा रहे हैं, फिर भी बिल में डिलीवरी चार्ज जुड़ा रहता है। इससे उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि यह सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के साथ आर्थिक शोषण है।

कैश एंड कैरी योजना की जानकारी भी छुपाई जा रही: समाजसेवी सुरेश दौंदेरिया ने बताया कि कैश एंड कैरी योजना के तहत यदि उपभोक्ता स्वयं एजेंसी से सिलेंडर लेकर जाते हैं, तो उन्हें होम डिलीवरी शुल्क में छूट मिलनी चाहिए।

14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडर पर लगभग 27.60 रुपये से 30 रुपये तक की बचत होती है। लेकिन अधिकांश उपभोक्ताओं को इसकी जानकारी ही नहीं दी जाती। आरोप है कि एजेंसी संचालक जानबूझकर यह जानकारी छुपाते हैं, ताकि अतिरिक्त राशि वसूली जा सके।

होटलों में घरेलू सिलेंडर, कालाबाजारी के आरोप

जब आम उपभोक्ता गैस के लिए भटक रहे हैं, तब शहर के कई होटल, ढाबे और रेस्टोरेंट में घरेलू गैस सिलेंडरों का खुलेआम उपयोग हो रहा है। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए कमर्शियल सिलेंडर अनिवार्य होने के बावजूद घरेलू सिलेंडरों का उपयोग गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि घरेलू गैस सिलेंडरों को दमोह भेजकर कालाबाजारी की जा रही है। आरोपों के केंद्र में गिरिराज गैस एजेंसी और उसके संचालन को लेकर विवाद भी सामने आया है।

30 हजार कनेक्शन वाली एजेंसी पर सवाल: जानकारी के अनुसार गिरिराज गैस एजेंसी के पास लगभग 30 हजार घरेलू गैस कनेक्शन हैं। यह एजेंसी पहले संजय गर्ग की बहन के नाम पर थी, जिसे बाद में दमोह के व्यापारी राजेंद्र बिदोलिया को बेचने की प्रक्रिया शुरू हुई।

हालांकि इस बिक्री पर आपत्ति दर्ज होने के कारण एजेंसी का आधिकारिक परिवर्तन अब तक नहीं हो सका। इसके बावजूद आरोप है कि एजेंसी का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि यही कारण है कि निगरानी और जवाबदेही दोनों कमजोर पड़ गई हैं।

खाद्य अधिकारी बोले-जांच कराएंगे:

पूरे मामले पर जिला खाद्य अधिकारी कुलदीप मौर्य ने कहा कि होम डिलीवरी बंद होने की शिकायत की जांच कराई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कैश एंड कैरी योजना की जानकारी नहीं है।

मंत्री ने जरारूधाम गौ-अभ्यारण्य का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

केवल पौधारोपण पर्याप्त नहीं, उनका संरक्षण भी आवश्यक : मंत्री पटेल

दमोह देशबन्धु। नर्मदा खंड सेवा संस्थान के संरक्षक एवं प्रदेश के पंचायत ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने जरारूधाम गौ-अभ्यारण्य का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने गौमाता को रोटी खिलाकर गौ-सेवा का संदेश दिया। परिसर की पवित्रता और सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ आकर मन सदैव आनंदित होता है। पंचायत मंत्री श्री पटेल ने निर्माणाधीन कार्यों का स्थल निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

संस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र बजाज की अध्यक्षता में अन्य पदाधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में जरारूधाम गौ अभ्यारण और गुबरा गौशाला में निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

मंत्री पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा गौ माता कमाने का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में कहा

केवल पौधारोपण पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, जिससे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बन सके।

नर्सरी के संबंध में उन्होंने कहा केवल नर्सरी आधारित गतिविधियों से दीर्घकालिक एवं सुदृढ़ आय सुनिश्चित नहीं की जा सकती, पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आय के विविध एवं टिकाऊ साधनों को विकसित करना आवश्यक है। इसी क्रम में उन्होंने गौ-काष्ठ (गोबर से निर्मित लकड़ी) एवं गोबर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए कहा यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार के प्रभावी अवसर सृजित कर सकती है।

उन्होंने कहा देश में विरले ही ऐसे स्थल हैं, जहाँ एक ही परिसर में गौ-सेवा, जैविक गतिविधियाँ, पर्यावरण संरक्षण, प्रशिक्षण एवं रोजगार से जुड़ी इतनी व्यापक और सुव्यवस्थित सुविधाएँ उपलब्ध है, और इस दृष्टि से जरारूधाम एक आदर्श समग्र विकास मॉडल के रूप में उभर रहा है। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी आचार्य जगेंद्र सिंह, शंकर महतो, सुशील कुमार गुप्ता, गोपाल पटेल, राघव राजा राजकुमार सिंह, गंगाराम पटेल, नर्मदा सिंह एकता, अमर सिंह राजपूत, कैलाश शैलार, करन सिंह सहित अभ्यारण के कर्मचारी व अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जमीन विवाद में दनादन चली गोलियां, पिता-पुत्र गंभीर

दमोह देशबन्धु। जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत हरद्वानी गांव में रात में जमीनी विवाद को लेकर दनादन गोलियां चलने से पिता-पुत्र को गंभीर हालत में इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है.जिनकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टर आशुतोष और डॉ माधुर चौधरी द्वारा जबलपुर रेफर 108 एंबुलेंस के माध्यम से किया गया है. घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर देहात अमित गौतम और पुलिस घटनास्थल पहुंची। वहीं दमोह जिला अस्पताल में टीआई कोतवाली मनीष कुमार, चौकी प्रभारी प्रियंका पटेल, एएसआई अकरम खान सहित पुलिस फोर्स ने पहुंचकर घटना की जानकारी लेकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घायलों में पिता नरेश भवानी पटेल उम्र 52 वर्ष और सत्य प्रकाश पटेल उम्र 25 वर्ष निवासी हरद्वानी बताए गए हैं।

मकान निर्माण के दौरान जमकर मारपीट, 3 घायल

छतरपुर, देशबन्धु। सिटी कोतवाली क्षेत्र के मातवाना मोहल्ले में घर के निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। ये इतना बढ़ गया कि जमकर मारपीट हुई, जिसमें रामनारायण अहिरवार, उनका बेटा शिवम और पत्नी घायल हो गए हैं। रिपोर्ट दर्ज कराते हुए रामनारायण ने बताया कि वह अपने मकान का निर्माण कार्य करा रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले कैलाश और उनके परिजनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर कैलाश पक्ष के लोगों ने ईंट उठाकर रामनारायण के सिर पर मार दी। इसके बाद उनके बेटे शिवम और पत्नी के साथ भी जमकर मारपीट की गई। तीनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है और आरोपी कैलाश एवं उनके परिजनों की तलाश की जा रही है।

आईजी के फॉलो गार्ड वाहन की टक्कर से किशोर घायल

छतरपुर, देशबन्धु। ग्राम अनगौर के 12 वर्षीय सतीश रजक को हाइवे पर तेज रफ्तार में जा रही कार ने टक्कर मार दी। हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसका इलाज छतरपुर जिला अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में चल रहा है। घटना के बारे में परशुराम रजक ने बताया, उसका पुत्र सतीश रजक अपने खेत से घर लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पर आईजी के वाहन के आगे चल रहे फलोगार्ड कार ने उसे टक्कर मार दी। ये टक्कर की इतनी तेज थी कि बच्चा हवा में उछलकर सड़क पर गिर पड़ा। ग्रामीणों ने तुरंत घटना की सूचना परिजनों को फोन पर दी। परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस वाहन से घायल बच्चे को छतरपुर जिला अस्पताल ले आए। वहां इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर रोशन द्विवेदी ने प्राथमिक उपचार दिया और बच्चे को ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कर लिया। बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ट्रक में टायर फटने से लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई ज़ान

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के हरपालपुर। नगर में राजपूत कॉलोनी तिराहे पर शनिवार रात करीब 8 बजे भीषण अग्निकांड ने लोगों को चौंका दिया है। दरअसल 30 टन गेहूं से लदा एक ट्रक का टायर फटने से निकली चिंगारी डीजल टैंक तक पहुंच गई, जिससे ट्रक में भीषण आग लग गई। ट्रक में लदा लाखों रुपये का गेहूं प्लास्टिक की बोरी में भरा था, जो आग की वजह से पिघल गया। ट्रक का केबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि आग को समय पर काबू में कर लिया गया, वरना पूरा गेहूं जलकर राख हो जाता। ट्रक ड्राइवर ने अपनी जान बचाने के लिए ट्रक से कूद गया। ड्राइवर ने बताया, वह हर हर महादेव फर्म से गेहूं लादकर रुड़की जा रहा था। राजपूत कॉलोनी तिराहे पर टर्न लेते समय ट्रक का अगला टायर फट गया। आग की सूचना मिलते ही नगर परिषद हरपालपुर की फायर ब्रिगेड और पीसीआर 112 की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब 20 मिनट कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

खेत में पानी देने के विवाद में मारपीट

छतरपुर, देशबन्धु। बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम महाराजगंज में खेत में पानी देने को लेकर हुए विवाद में मारपीट कर दंपत्ति और उनके बेटे को बुरी तरह से घायल कर दिया गया है। घायलों को छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की पहचान ग्राम महाराजगंज निवासी बृजेश कुशवाहा (28 वर्ष), उसके पिता रामदीन कुशवाहा (51 वर्ष) और मां श्याम बाई कुशवाहा (48 वर्ष) के रूप में हुई है।

अमृत 2.0 योजना में प्राचीन तालाबों का जीर्णोद्धार और विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग

दमोह देशबन्धु। नगर के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व से जुड़े प्रमुख तालाबो में फुटेरा तालाब (लगभग 600 वर्ष प्राचीन), मराठा कालीन झूना तालाब तथा मकेश कॉलोनी स्थित पाठक तालाब के जीर्णोद्धार, सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं सौंदर्यीकरण कार्य लंबे समय से लंबित हैं, जिससे नगरवासियों में चिंता व्याप्त है। इन तालाबों के संरक्षण एवं विकास हेतु केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत कार्य प्रस्तावित किए गए थे। हालांकि, योजना स्वीकृत होने के लगभग तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार, पूर्व में टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बावजूद संबंधित ठेकेदार द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, जिसके कारण टेंडर निरस्त करना पड़ा। इसके पश्चात पुन: टेंडर प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है, लेकिन अब तक कार्य शुरू नहीं होना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। वर्तमान में इन तालाबों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जिससे न केवल पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है, बल्कि नगर की ऐतिहासिक धरोहर भी उपेक्षा का शिकार हो रही है। यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो इनका अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं और अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए, ताकि इन ऐतिहासिक तालाबों का संरक्षण एवं समुचित विकास सुनिश्चित किया जा सके। उदाहरण: जैसे अन्य शहरों में अमृत योजना के तहत तालाबों का सौंदर्यीकरण कर पर्यटन को बढ़ावा दिया गया है, उसी प्रकार दमोह के तालाबों का विकास भी स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

22 को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

दमोह देशबन्धु। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दमोह ने बताया 22 अप्रैल 2026 दिन बुधवार को स्वैच्छिक रक्त दान शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया मे समय प्रात: 10 से शाम 04 बजे तक आयोजित किया जा रहा हैं। शिविर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने और लोगो को इस नेक कार्य के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास हैं। हम सभी स्वस्थ नागरिको से अपील करते है कि वे आगे आये और रक्तदान कर जीवन बचाने में सहयोग करें। रक्त दान करने वाले सभी रक्त दाताओ को एक प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा।

आदिवासी-किसान मुद्दों पर कांग्रेस से अलग हुए जयराम

पन्ना, देशबन्धु। जिले के सक्रिय कार्यकर्ता जयराम बबलू यादव ने कांग्रेस से अलग होने की घोषणा कर दी है। उन्होंने इसके साथ पार्टी पर जनता से कटने और जमीनी मुद्दों की अनदेखी करने के आरोप लगाए हैं। श्री यादव ने अपने बयान में आरोप लगाया कि वे वर्षों से कांग्रेस की विचारधारा और जनसेवा के लिए समर्पित रहे, लेकिन अब पार्टी आम जनता की आवाज सुनने और उनकी समस्याओं को समझने की क्षमता खो चुकी है। उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि पन्ना जिले के आदिवासी और किसान आज गंभीर संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व पूरी तरह निष्क्रिय बना हुआ है।

एसडीएम के नोटिस पर भी नही हटा छात्रावास से अवैध कब्जा, विहिप कार्यकर्ता पहुंचे थाने

दमोह/तेंदुखेडा देशबन्धु। जनपद अन्तर्गत तेजगढ़ पंचायत मे बने नवीन अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास मे विगत एक वर्ष से अधिक समय से ग्राम के पूर्व सरपंच के साथी द्वारा अवैध कब्ज़ा कर अपने पालतु पसू बाध कर भूसा भरे हुए है। जिसकी जानकारी लोगो द्वारा एसडीएम को दी गई थी जिस पर एसडीएम तेंदुखेडा ने नोटिस जारी कर छात्रावास को खाली किये जाने का आदेश दिया था पर छात्रावास खाली नही हुआ। जिसकी सूचना पर जिला विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष अजय खत्री, जिला मंत्री शम्भू विश्वकर्मा, गोलू चौबे सहित अन्य कार्यकर्ता छात्रावास पहुचे और अवैध कब्ज़ा धारी की सूचना पुलिस को दी। जिस पर तेजगढ़ पुलिस कर्मीयो ने छात्रावास जाकर अवैध रूप से कब्ज़ा करने वाले असगर उर्फसोनू शाह से कब्ज़ा हटा ने को कहा है।

इनका कहना है

छात्रावास मे अवैध कब्ज़ा होने पर ने नोटिस दिया था रविवार को विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने थाने आकर जानकारी दी जिस पर पुलिस कर्मी छात्रावास गए थे जल्दी ही अबेध कब्ज़ा हटवा दिया जायेगा।

अरविंद सिंह थाना प्रभारी तेजगढ़

81 परीक्षार्थियों ने दी ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा

पन्ना, देशबन्धु। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा रविवार को संपन्न हुई। परीक्षा केन्द्र शासकीय आर.पी. उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय क्रमांक 1 पन्ना में 81 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी, जबकि कुल 100 परीक्षार्थियों में से 19 अनुपस्थित रहे। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित था। केन्द्राध्यक्ष रंजना खरे सहित जिला संयोजक जयप्रताप भदौरिया एवं अन्य स्टॉफ की उपस्थिति में प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। विदित हो कि अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नवोदय विद्यालय के पैटर्न पर ज्ञानोदय आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को कक्षा 6वीं, 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीट के विरूद्ध चयन परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। विद्यालय में बालक-बालिका वर्ग के लिए 50-50 प्रतिशत सीट्स आरक्षित रहती हैं। इन विद्यालयों में अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सर्वाधिक 85 प्रतिशत सीट्स के आरक्षण का प्रावधान है। शेष 15 प्रतिशत सीट अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित है।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल, रीवा किया रेफर

पन्ना,देशबन्धु। जिले के अमानगंज थाना अंतर्गत ग्राम द्वारी विक्रमपुर के बीच भीषण सड़क दुर्घटना हुई है जिसमें मोटरसाइकिल चालक को किसी अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दी गई तथा टक्कर मारने वाला वाहन भाग गया पीड़ित सड़क पर पड़ा रहा जिसे राहगीरों द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज पहुंचाया गया अमानगंज में प्राथमिक उपचार के बाद पन्ना जिला चिकित्सालय लाया गया उसकी हालत गंभीर होने के चलते रीवा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है जानकारी के अनुसार अमानगंज थाना क्षेत्र के बमोरहा ग्राम निवासी राम सजीवन पिता मिट्ठू लाल उम्र 40 वर्ष मोटरसाइकिल से अपने गांव आ रहा था इस दौरान यह घटना घटित हुई है ।

परशुराम जन्मोत्सव पर कार्यक्रम आज

पन्ना, देशबन्धु। विप्र कुल गौरव भगवान परशुराम का जन्मोत्सव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आज 20 अप्रैल दिन सोमवार को बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। अक्षय तृतीय पर मनाया जाने वाला यह पर्व समस्त विप्र समाज के लिए ऐतिहासिक होता है इसी क्रम में इस वर्ष भी आयोजन को लेकर सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के यूथ विंग के जिला अध्यक्ष राजा भैया तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि महासभा के जिला अध्यक्ष पंडित राम गोपाल तिवारी के नेतृत्व में इस वर्ष यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होने जा रहा है जिसमें 20 अप्रैल को भगवान श्री राम जानकी के मंदिर में सुबह 8:00 बजे भगवान श्री परशुराम जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जावेगी वही ठीक 12:00 बजे भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा तत्पश्चात हवन पूजन और महा आरती के साथ शाम को 5:00 बजे विप्र समाज के साथ सकल समाज द्वारा विशाल शोभा यात्रा निकल जाएगी महासभा के यूथ के जिला अध्यक्ष राजा भैया तिवारी ने सर्व समाज से विनम्र अपील की है की जैसे हम भगवान कृष्ण जी का जन्म उत्सव भगवान राम जी का जन्म उत्सव मिलकर मनाते हैं ऐसे ही भगवान परशुराम भी हम सबको मिलकर मानना है।

परशुराम प्राकट्योत्सव पर आज निकलेगी शोभा यात्रा

दमोह देशबन्धु। भगवान विष्णु के छठवें अवतार एवं विप्र कुल शिरोमणि भगवान परशुराम का प्राकट्योत्सव आज सोमवार को पूर्ण भक्ति भाव एवं भव्यता से मनाया जाएगा।

प्रवक्ता बीएम दुबे ने बताया कि आज प्रात: 8:00 बजे पॉलिटेक्निक के पास परशुराम टेकरी पर भगवान परशुराम का पूजन, अर्चन, हवन एवं प्रसाद वितरण होगा। प्रात: 10:00 बजे से शिव पार्वती मंदिर में सुंदरकांड प्रारंभ होगा एवं शाम 5:00 बजे यहीं से एक भव्य शोभा यात्रा प्रस्थान करेगी जो कोऑपरेटिव बैंक चौराहा, बस स्टैंड, स्टेशन चौराहा, राय चौराहा, घंटाघर, अस्पताल चौराहा, कोऑपरेटिव बैंक चौराहा होते हुए शिव पार्वती मंदिर पर समापन होगा तथा यहां पर शाम 7:30 बजे विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

कलेक्टर ने कोनी और गहदरा ग्राम में विस्थापित परिवारों की सुनी समस्याएं

शिविर लगाकर राशन वितरण के दिए निर्देश

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर ऊषा परमार ने रविवार को केन बेतवा लिंक परियोजना अंतर्गत पन्ना तहसील के विस्थापित ग्राम कोनी एवं गहदरा का भ्रमण किया तथा परियोजना के तहत नवीन स्थल पर विस्थापित होने वाले प्रभावित परिवार के सदस्यों चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरान नई गठित टीम द्वारा पुन: सर्वे के माध्यम से पात्रता मुताबिक सभी परिवार एवं सदस्यों को लाभान्वित करने की बात कही। जिला कलेक्टर ने समस्याओं के निराकरण तथा बेहतर पुनर्वास के दृष्टिगत प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

साथ ही शासन के नियम मुताबिक विभिन्न प्रकार की क्षति पर मुआवजा वितरण के लिए कहा।

कलेक्टर श्रीमती परमार ने सुनवाई के दौरान आदिवासी बाहुल्य गांव के ग्रामवासियों को प्रस्तावित विस्थापन स्थल पर सभी मूलभूत सुविधाओं के विकास सहित स्कूल और पेयजल सुविधा तथा सामूहिक तौर पर रोजगारपरक गतिविधियों के लिए विभाग स्तर पर हरसंभव मदद प्रदान करने के बारे में अवगत कराया। उन्होंने सर्वे कार्य में लोगों से टीम का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि नए स्थान पर बसाहट में प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग किया जाएगा। समय सीमा में गठित दल द्वारा हर घर में संपर्क कर एवं एक-एक आवेदन पर कार्यवाही की जानकारी दी गई। उन्होंने ग्रामवासियों से आग्रह किया कि किसी के बहकावे में न आएं और पैसे का सदुपयोग करें। चर्चा के दौरान ग्रामीणजनों ने अवगत कराया कि ग्राम में तीन माह से राशन का वितरण नहीं हुआ है। केवल अग्रिम तौर पर अंगूठा लगवाकर आगामी दिनों में खाद्यान्न वितरण की जानकारी दी गई है। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर ने शिविर लगाकर शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण के लिए निर्देशित किया तथा मौके पर ही खाद्य विभाग के अधिकारी से दूरभाष पर संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई तथा जांच टीम भी गठित करने के लिए निर्देशित किया। ग्रामवासियों ने शासकीय भूमि पर विस्थापन सहित स्थानीय ढाबों पर शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। इस दौरान ग्राम में पूर्व में हुए ड्रोन सर्वे की जानकारी भी ली गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, एसडीएम संजय कुमार नागवंशी एवं तहसीलदार अखिलेश प्रजापति भी मौजूद रहे।

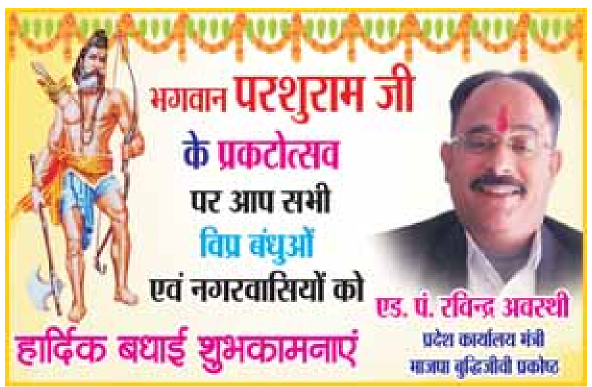

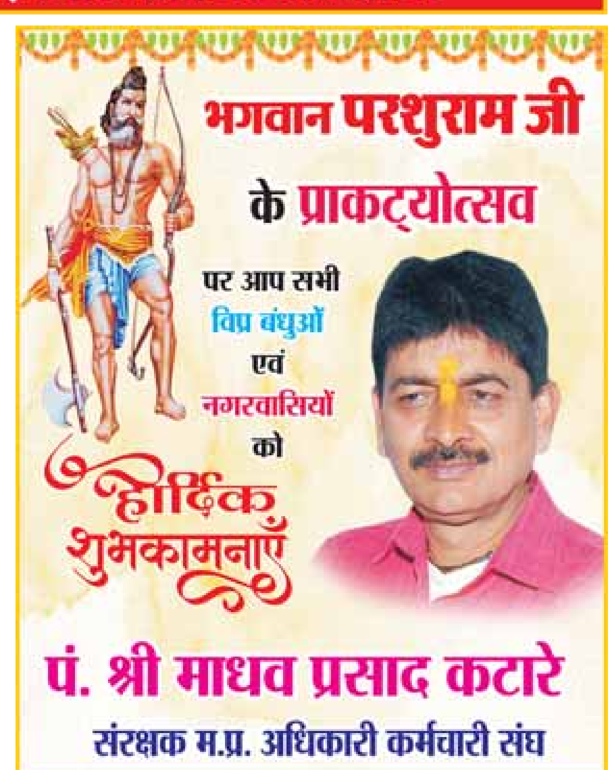

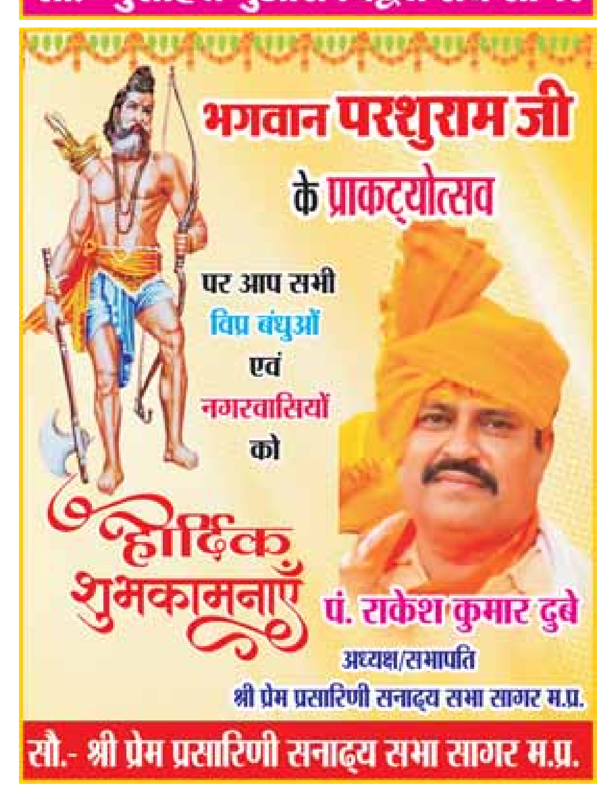

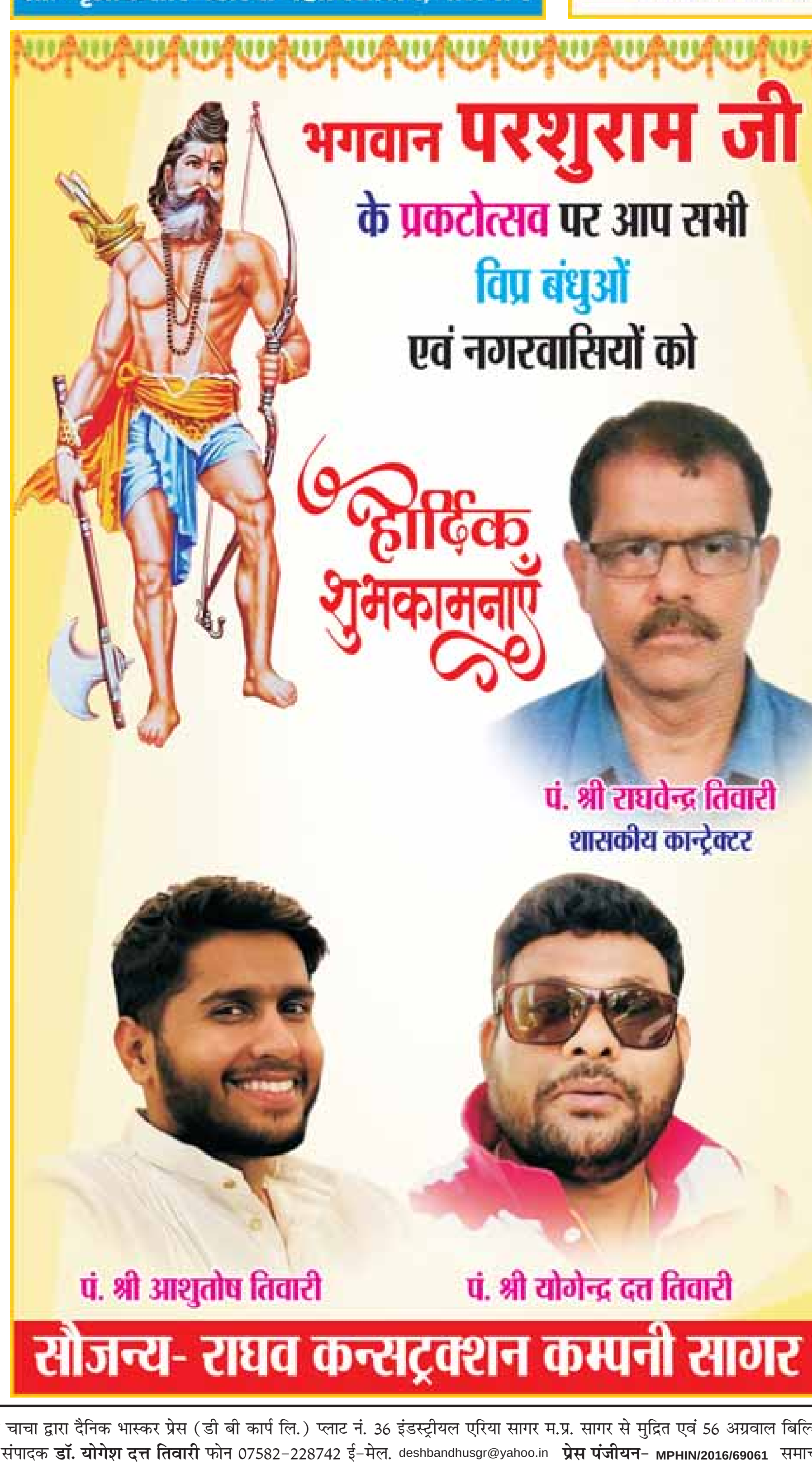

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल, deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।